दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-32 अंक-54 | नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 04 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

होर्मुज मार्ग खुलवाने 60 देशों की बैठक, भारत ने दिखाई ताकत, कहा- हमने अपने नाविकों को खोया

नई दिल्ली,(ए.)। रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने और इसे अंतरराष्ट्रीय नौवहन के लिए सुरक्षित बनाने की दिशा में वैश्विक स्तर पर बड़ी कूटनीतिक पहल शुरू हुई है। ब्रिटेन द्वारा बुलाई गई इस ऑनलाइन बैठक में 60 से अधिक देशों ने भाग लिया। बैठक के दौरान विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में नौवहन की स्वतंत्रता और बिना किसी बाधा के आवागमन के सिद्धांतों को सर्वोपरि बताया। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि होर्मुज क्षेत्र में जारी संकट का भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा और गंभीर असर पड़ रहा है। भारत के लिए यह विषय इसलिए भी संवेदनशील है क्योंकि खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों में नाविकों को खोने वाला भारत अब तक का एकमात्र देश है।भारत ने स्पष्ट किया कि इस संकट का स्थायी समाधान केवल तनाव को कम करने और सभी संबंधित पक्षों के बीच कूटनीति व संवाद के रास्ते पर लौटने में ही निहित है। ब्रिटिश विदेश मंत्री यवेट कूपर की अध्यक्षता में आयोजित एक उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय बैठक में भारत ने भी सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि इस बैठक के लिए ब्रिटेन की ओर से विशेष निमंत्रण प्राप्त हुआ था, जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने किया। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की पूर्व घोषणा के अनुरूप आयोजित इस बैठक का मुख्य उद्देश्य उन रास्तों की तलाश करना है, जिससे होर्मुज स्ट्रेट को सुरक्षित रूप से दोबारा खोला जा सके।

जन विश्वास विधेयक से 717 अपराधों में सजा खत्म, किन मामलों में नहीं होगी जेल?

नईदिल्ली ,(आरएनएस)। जन विश्वास (प्रावधान संशोधन) विधेयक, 2026 गुरुवार को संसद से पारित हो गया है। इस कानून का उद्देश्य छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर व्यापारिक माहौल को बेहतर बनाना और कई क्षेत्रों में अनुपालन को व्यवस्थित करना है। यह विधेयक 1 अप्रैल को लोकसभा और 2 अप्रैल को राज्यसभा से पारित हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये विधेयक विश्वास पर आधारित ढांचे को मजबूत करता है। आइए विधेयक की बड़ी बातें जानते हैं।

विधेयक में 23 मंत्रालयों के 79 केंद्रीय कानूनों के 784 प्रावधानों में संशोधन का प्रस्ताव है। इनमें से 717 प्रावधानों को व्यापार में सुगमता को बढ़ावा देने के लिए अपराध की श्रेणी से बाहर किया जा रहा है। बाकी 67 ऐसे संशोधन किए गए हैं, जिनका लक्ष्य जीवन सुगमता को बेहतर बनाना है। इसमें कोयला, वाणिज्य एवं उद्योग, शिपिंग, शहरी विकास और परिवहन सहित 23 मंत्रालयों से जुड़े कानून शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव को वाराणसी में मध्यप्रदेश टूरिज़्म इंफ्लुएंसर्स मीट में इंफ्लुएंसर्स ने प्रतीक चिन्ह भेंट किए।

मालदा कांड का मास्टरमाइंड बागडोगरा एयरपोर्ट से गिरफ्तार, यहीं से था भागने का प्लान

मालदा(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के मालदा स्थित कालियाचक में सात न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने और भीषण हिंसा भड़काने के मामले में पुलिस को एक बहुत बड़ी कामयाबी मिली है। इस पूरे खौफनाक कांड के मास्टरमाइंड माने जा रहे वकील मोफक्करुल इस्लाम को बंगाल पुलिस ने शुक्रवार सुबह गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, मोफक्करुल गिरफ्तारी से बचने के लिए राज्य छोड़कर भागने की पूरी तैयारी में था। पुलिस को खुफिया जानकारी मिली थी कि वह बागडोगरा एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाला है। इसके बाद बंगाल पुलिस की टीम ने तुरंत जाल बिछाकर उसे एयरपोर्ट परिसर से ही दबोच लिया। जांच एजेंसियों का मानना है कि कालियाचक में उग्र भीड़ को भड़काने और सरकारी काम में बाधा डालने के पीछे मोफक्करुल का ही दिमाग था। यह गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब आज ही नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) की टीम मालदा पहुंचकर इस मामले की जांच अपने हाथों में लेने वाली है।इस संवेदनशील मामले में मालदा पुलिस ने लगातार छापेमारी करते हुए अब तक इंडियन सेकुलर फ्रंट (द्वस्न) के उम्मीदवार मौलाना शाहजहां अली सहित 17 लोगों को गिरफ्तार किया है।

MP वालों के 48 घंटे भारी! भोपाल-इंदौर समेत 30 जिलों में बारिश और ओलों का अलर्ट जारी

भोपाल(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के आसपास सक्रिय प्रेरित चक्रवात का प्रभाव पूरे प्रदेश पर पड़ रहा है। नमी आने की वजह से दिन में वेदर एक्टिविटी कम हैं, लेकिन शाम के बाद से एक्टिविटी तेज हो जाती है।मौसम विभाग ने प्रदेश में अगले 24 घंटों के दौरान कई जिलों में गरज-चमक के साथ वर्षा, कहीं-कहीं ओले भी गिरने और हवाएं तेज चलने का अनुमान लगाया है। ऐसे में, कई जिलों को लेकर मौसम विभाग ने सात अप्रैल तक के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे तक धार, राजगढ़, बैतूल, देवास, उज्जैन, आलीराजपुर और भिंड में ओले गिरे। आंधी-तूफान के साथ सीहोर, भोपाल समेत कई जिलों में गरज-चमक के साथ वर्षा भी हुई। प्रदेश के पूर्वी इलाकों से अधिक वेदर एक्टिविटी पश्चिमी इलाकों में रही।

ईरान ने बीच हवा में मार गिराया खतरनाक अमेरिकी F-35 फाइटर जेट, सबूत के तौर पर जारी की मलबे की तस्वीरें

तेहरान(आरएनएस)। ईरान और अमेरिका के बीच भड़की जंग से एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आई है। ईरान की सेना ने दावा किया है कि उसने सेंट्रल ईरान के मरकजी प्रांत में अमेरिकी वायुसेना के सबसे घातक माने जाने वाले F-35 लड़ाकू विमान को मार गिराया है। यह बड़ा दावा ईरान के खातिम अल-अंबिया मुख्यालय की ओर से किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, विमान के मलबे की शुरुआती जांच में उस पर ब्रिटेन के लेकनहीथ एयर बेस (Lakenheath Air Base) के निशान मिले हैं, जो यूरोप में अमेरिकी वायुसेना का एक बेहद महत्वपूर्ण मिलिट्री अड्डा है। हालांकि, इस खुफिया मिशन का असल मकसद क्या था और विमान का पायलट किस हाल में है, इसे लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

सबूत के तौर पर जारी की मलबे की तस्वीरें, पायलट के बचने की उम्मीद कम

इस बार ईरान ने अपने दावे को सच साबित करने के लिए नष्ट हुए F-35 फाइटर जेट के टुकड़ों की कई तस्वीरें भी जारी कर दी हैं। दरअसल, ईरान ने यह कदम इसलिए उठाया है क्योंकि अमेरिका उसके पिछले दावों को लगातार सिरे से खारिज करता आ रहा है। ईरान की मेहर न्यूज़ एजेंसी ने बताया कि क्रैश के वक्त धमाका इतना भयानक था कि पायलट के लिए इजेक्ट करना (विमान से सुरक्षित बाहर निकलना) लगभग नामुमकिन था। आपको बता दें कि इससे पहले 19 मार्च को भी ईरान ने एक अमेरिकी F-35 फाइटर जेट को निशाना बनाने का वीडियो जारी किया था।

हालांकि, उस वक्त विमान पूरी तरह क्रैश नहीं हुआ था और घायल पायलट ने किसी तरह मिडिल ईस्ट के एक अमेरिकी बेस पर क्षतिग्रस्त विमान की सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग करा ली थी।

आरपीएससी एसआई परीक्षा मामले में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, सिर्फ याचिकाकर्ता को ही मिलेगी राहत, अन्य लोगों को नहीं मिलेगा लाभ

नई दिल्ली, (आरएनएस)। आरपीएससी एसआई परीक्षा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। जस्टिस दीपांकर दत्ता की अध्यक्षता वाली बेंच ने RPSC SI भर्ती मामले में अपने 2 अप्रैल के आदेश में बदलाव किया है। बेंच ने राहत सिर्फ़ याचिकाकर्ता सूरज मल मीणा तक सीमित कर दी है और उन लगभग 95,400 उम्मीदवारों को इस राहत से बाहर कर दिया है जो पहले इस दायरे में आते थे। बेंच ने अपने पिछले आदेश के पैरा 5 और 6 को हटा दिया है। इन पैरा में याचिकाकर्ता जैसे अन्य उम्मीदवारों को परीक्षा में बैठने की अंतरिम अनुमति दी गई थी।

जानकारी के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिए अपने आदेश में बदलाव किया है। इस आदेश के तहत कोर्ट ने करीब 2.21 लाख उम्मीदवारों को राहत देते हुए उन्हें राजस्थान सब-इंस्पेक्टर (एसआई)/प्लाटून कमांडर भर्ती

परीक्षा 2025 में अस्थायी तौर पर शामिल होने की अनुमति दी थी। पिछला आदेश सूरज मल मीणा नाम के एक उम्मीदवार की याचिका पर दिया गया था। सूरज मल मीणा ने यह कहते हुए परीक्षा को कम से कम चार हफ्ते के लिए टालने की मांग की थी कि वह परीक्षा में शामिल नहीं हो पाए थे।

शुक्रवार को जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की विशेष पीठ ने राजस्थान लोक सेवा आयोग की एक याचिका पर सुनवाई करते हुए पिछले आदेश में बदलाव किया। आयोग ने अपनी याचिका में कहा था कि उसके लिए परीक्षा में इतने ज़्यादा उम्मीदवारों को शामिल करना संभव नहीं है। इसके चलते, कोर्ट ने यह राहत सिर्फ़ मूल याचिकाकर्ता सूरज मल मीणा तक ही सीमित रखी, और अन्य उम्मीदवारों को यह राहत नहीं दी। कोर्ट ने इसके पीछे यह तर्क दिया कि मीणा के अलावा किसी भी अन्य उम्मीदवार ने ऐसी ही राहत पाने के लिए कोर्ट का दरवाज़ा नहीं खटखटाया था। हालांकि, कोर्ट ने यह भी साफ़ किया कि राजस्थान हाई कोर्ट की डिवीज़न बेंच द्वारा इस मामले पर फ़ैसला सुनाए जाने के बाद, बाकी उम्मीदवारों को भी कोर्ट में याचिका दायर करने की पूरी आज़ादी होगी।

दर्दनाक सड़क हादसे में 2 युवकों की मौत, खाई में जा गिरी तेज रफ्तार कार

बड़वानी,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के पाटी थाना क्षेत्र के गोलगांव में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। बिलियापानी घाट पर बड़वानी से सेमलेट जा रही एक इको वाहन गहरी खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, वाहन चालक को नींद आने के कारण गाड़ी अनियंत्रित होकर करीब 600 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में सकरीया पिता रजान की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि वाहन चालक इकराम पिता रुलसिंग ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

FIR में केंद्रीय मंत्री के नाम के आगे 'माननीय' क्यों नहीं लगाया? कॉपी देखते ही पुलिस पर भड़क गया हाईकोर्ट

प्रयागराज (आरएनएस)।इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस की कार्यशैली पर कड़ा ऐतराज जताते हुए उसे कड़ी फटकार लगाई है। यह मामला एक एफआईआर (FIR) दर्ज करने के तरीके से जुड़ा है, जिसमें अदालत ने पुलिस से पूछा है कि एक केंद्रीय मंत्री के नाम के आगे सम्मानजनक शब्द 'मिस्टर' या 'माननीय' का इस्तेमाल क्यों नहीं किया गया।

अदालत ने इस गंभीर लापरवाही को लेकर सीधे राज्य के अपर मुख्य सचिव (गृह) से जवाब तलब कर लिया है। दिलचस्प बात यह है कि इस एफआईआर में केंद्रीय मंत्री पर कोई आरोप नहीं है, बल्कि शिकायत की कहानी में केवल उनके नाम का जिक्र भर आया है। धमकाने और भरोसा तोड़ने के एक मामले में दर्ज एफआईआर को रद्द करने की याचिका पर जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस तरुण सक्सेना की बेंच सुनवाई कर रही थी।

भारत में गहरा सकता है शक्कर का संकट, खपत से कम उत्पादन और घटते भंडार से बढेंगी कीमतें

नई दिल्ली,(ए)। भारत में चीनी उत्पादन को लेकर चिंताजनक स्थिति सामने आ रही है, जहां लगातार दूसरे साल भी देश में चीनी का उत्पादन घरेलू खपत की तुलना में कम रहने की संभावना है। गन्ने की कम पैदावार और चीनी मिलों के समय से पहले बंद होने के कारण उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि आने वाले समय में स्थानीय बाजारों में चीनी की कीमतों में बड़ा उछाल देखा जा सकता है। मुंबई स्थित वैश्विक व्यापार कंपनियों और उद्योग संगठनों के विश्लेषण के अनुसार, इस सीजन में कुल चीनी उत्पादन 2.8 करोड़ मीट्रिक टन से अधिक होने की उम्मीद नहीं है, जबकि देश की वार्षिक घरेलू मांग लगभग 2.9 करोड़ टन के करीब बनी हुई है। उत्पादन में इस कमी का मुख्य कारण गन्ने की फसल पर मौसम की मार और मिलों का जल्द परिचालन बंद करना है।आंकड़ों के मुताबिक, इस साल देश की 541 चीनी मिलों में से 467 मिलें मार्च के अंत तक ही बंद हो चुकी हैं, जबकि पिछले साल इसी अवधि तक यह संख्या 420 थी।

स्वदेशी परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिदमन और युद्धपोत आईएनएस तारागिरी भारतीय नौसेना में शामिल

-रक्षा मंत्री बोले-यह भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति का प्रतीक

विशाखापत्तनम (आरएनएस)। सुपरसोनिक मिसाइल समेत कई अन्य अत्याधुनिक हथियारों से लैस युद्धपोत तारागिरी को भारतीय नौसेना में शामिल कर लिया गया है। इसके अलावा परमाणु बैलिस्टिक पनडुब्बी आईएनएस अरिदमन को भी इंडियन नेवी में शामिल किया गया। विशाखापत्तनम में आयोजित एक समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सीडीएस जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी और नौसेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज अत्याधुनिक युद्धपोत तारागिरी को भारतीय नौसेना में शामिल किया जा रहा है। तारागिरी का कमीशनिंग भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति का प्रतीक है। इस अवसर पर मैं मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड और भारतीय नौसेना सहित सभी देशवासियों को बधाई देता हूं। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारा देश अपने विकास को समुद्र से अलग करके नहीं देख सकता। हमारा लगभग 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्गों से होता है। हमारी ऊर्जा सुरक्षा भी समुद्र पर निर्भर करती है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि एक मजबूत और सक्षम नौसेना हमारे लिए कोई विकल्प नहीं बल्कि एक ज़रूरत है।

यह युद्धपोत मेड इन इंडिया प्रोजेक्ट के तहत तैयार किया गया है। यह 6,670 टन का मेक इन इंडिया की भावना और हमारे स्वदेशी शिपयार्ड की इंजीनियरिंग क्षमताओं का प्रतीक है। अधिकारियों ने बताया कि 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री से बना यह युद्धपोत घरेलू औद्योगिक तंत्र की परिपक्वता को दर्शाता है।

नीलगिरी श्रेणी (प्रोजेक्ट 17ए) का चौथा जहाज और मझगांव डॉक शिपबिल्डिंग लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा निर्मित तीसरा जहाज तारागिरी पिछले साल 28 नवंबर को एमडीएल, मुंबई में नौसेना को सौंप दिया गया था। तारागिरी डीजल या गैस (सीओडीओजी) द्वारा संचालित किया जा सकेगा। युद्धपोत का हथियार भंडार विश्व स्तरीय है।

हम मरना नहीं चाहते, प्लीज बचा लो..', समंदर में फंसी 20 हजार जिंदगियां, दाने-दाने को तरसे नाविक

नई दिल्ली (आरएनएस)। मिडिल ईस्ट में पिछले एक महीने से भड़की जंग अब समंदर में भयानक कोहराम मचा रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके आसपास के इलाके में करीब 3000 वाणिज्यिक जहाज फंस गए हैं, जिन पर 20 हजार से ज्यादा नाविक सवार हैं। इन नाविकों की जान हर पल सांसत में है और उनके सिर पर मौत की तलवार लटक रही है। जहाजों पर ताजा खाना और पीने का पानी या तो खत्म हो चुका है या बिल्कुल खत्म होने की कगार पर है। खौफ के साये में जी रहे ये नाविक लगातार हेल्पलाइन संस्थाओं से संपर्क कर मदद की गुहार लगा रहे हैं। हालात इतने गंभीर हैं कि मदद के लिए आ रहे संदेशों की बाढ़ ने समुद्री हेल्पलाइन टीमों को भी बेबस कर दिया है।

इंटरनेशनल ट्रांसपोर्ट वर्कर्स एसोसिएशन (द्धञ्जस्न) की सपोर्ट टीम को समंदर से दिल दहला देने वाले संदेश और वीडियो मिल रहे हैं। नाविक युद्ध क्षेत्र से अपने जहाजों के पास गिरते बमों के वीडियो भेजकर किसी भी तरह वहां से निकालने की मिन्नतें कर रहे हैं। अरब और ईरान के लिए द्धञ्जस्न के नेटवर्क कोऑर्डिनेटर मोहम्मद अरराचेदी ने बताया कि नाविकों को समंदर में जैसे ही इंटरनेट मिलता है, वे रात के दो या तीन बजे भी फोन कर देते हैं। खौफजदा नाविकों की बस एक ही पुकार है कि वे बमबारी के बीच फंसे हैं और मरना नहीं चाहते। संयुक्त राष्ट्र की समुद्री संस्था (द्धरूह्र) के मुताबिक, 28 फरवरी के बाद से इस अशांत इलाके में अब तक कम से कम आठ नाविकों या बंदरगाह मजदूरों की दर्दनाक मौत हो चुकी है, जिसने खौफ को कई गुना बढ़ा दिया है।

उज्जैन प्राचीन काल से है समय गणना और खगोल विज्ञान का वैश्विक केंद्र : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सम्राट विक्रमादित्य 'द हेरिटेज इकाई की विस्तार परियोजना का हुआ भूमि-पूजन
सिंहस्थ-2028 में श्रद्धालुओं की सुगमता के लिए बनने वाले बायपास रोड का किया भूमि-पूजन

भोपाल, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन धर्म की नगरी होने के साथ विज्ञान की भी नगरी है। उज्जैन की माटी में विज्ञान, गणित, खगोल और ब्रह्मांड चिंतन सदियों से विद्यमान है। उज्जैन काल गणना का केंद्र रहा है, जहां प्राचीन काल में सूर्य की छाया से समय नापने की कला विकसित हुई। प्राचीन भारतीय भूगोल के अनुसार उज्जैन कर्क रेखा पर स्थित है और इसे पृथ्वी का मध्य बिंदु माना जाता था। ग्रीनविच के वैश्विक मानक के अस्तित्व में आने से सदियों पहले शून्य देशांतर रेखा पावन नगरी उज्जैन से होकर गुजरती थी। जब पश्चिम में खगोल शास्त्र का ज्ञान भी नहीं था तब उज्जैन के ज्योतिषी और विद्वान काल गणना कर नक्षत्रों की स्थिति बता रहे थे। जब दुनिया समय को परिभाषित करना सीख रही थी तब यहां महर्षियों ने खगोलीय गणनाओं का वैश्विक मानक स्थापित कर लिया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को उज्जैन में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'महाकाल: द मास्टर ऑफ टाइम' के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महाकाल: द मास्टर ऑफ टाइम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पधारे विद्वानों और विशेषज्ञों का स्वागत अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने उज्जैन साइंस सेंटर का लोकार्पण और तारा मंडल में लगी विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ एवं अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के लिए 4 लेन उज्जैन बायपास और 'सम्राट विक्रमादित्य – द हेरिटेज' परियोजना का भूमि-पूजन किया। इस अवसर पर विचारक एवं समाजसेवी सुरेश सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विज्ञान के अनुसार ब्रह्मांड की हर वस्तु समय के अधीन है, लेकिन शिव उस अनंत का प्रतीक हैं, जहां से समय

जन्म लेता है और जहां समय का अंत होता है। इसीलिए वे काल के अधिष्ठाता अर्थात 'मास्टर ऑफ टाइम' हैं। विज्ञान मानता है कि समय और अंतरिक्ष एक दूसरे से अविभाज्य हैं, हमारे शास्त्रों में युगों पहले शिव को विश्व स्वरूप और महाकाल कहकर इसी वैज्ञानिक सत्य को प्रतिपादित किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने ग्रीनविच भ्रमण के अनुभव का उल्लेख करते हुए कहा कि उज्जैन और डोंगला के आधार पर होने वाली खगोलीय गणनाओं की सटीकता अद्भुत है। डोंगला को एस्ट्रोनोमिकल स्टडीज के लिए विकसित किया जा रहा है। इस दिशा में उज्जैन का यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मील का पत्थर सिद्ध होगा। भूमध्य रेखा और कर्क रेखा का कटाव या केंद्र बिंदु पहले उज्जैन में था, जो अब उज्जैन से 32 किलोमीटर दूर डोंगला में शिफ्ट हो गया है। यहां 21 जून को सूर्य की छाया शून्य हो जाती है। ग्रीनविच के मीन टाइम में रात को 10 बजे तक सूर्य के दर्शन होते हैं। यह केंद्र बिंदु कैसे हो सकता है। आज समय और स्पेस दोनों को एक दूसरे से समेकित रूप से समझने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह हम सब के लिए गौरव का विषय है कि उज्जैन को साइंस सिटी के रूप में स्थापित किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से आज 15 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से विज्ञान केंद्र का उद्घाटन किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमें केंद्र सरकार का भी सहयोग निरंतर प्राप्त हो रहा है। वास्तव में यह अपनी वैज्ञानिक विरासत को पुनर्जीवित करने का सशक्त प्रयास है।

उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के नेतृत्व में नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए हो रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस नीति की भावना के अनुरूप युवाओं को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने की दिशा में गंभीर प्रयास कर रही है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आने वाला सिंहस्थ 2028 हमारे लिए उज्जैन की गरिमा को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने का स्वर्णिम अवसर है। हमारा लक्ष्य है की सिंहस्थ 2028 में उज्जैन आने वाले श्रद्धालु महाकाल दर्शन का पुण्य प्राप्त करने के साथ काल गणना के इस केंद्र का वैज्ञानिक महत्व भी जाने। वर्ष 2028 के सिंहस्थ को व्यवस्थित रूप से संपन्न करना हमारा दायित्व है। इसी उद्देश्य से 700 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले बायपास रोड का भूमि-पूजन भी हुआ है। इस सौगात के लिए उज्जैनवासी बधाई के पात्र हैं। उज्जैन सिंहस्थ विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है। इस विशाल आयोजन में श्रद्धालुओं के लिए सर्व-सुविधा संपन्न प्रबंधन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंच से सभी को वर्ष 2028 के भव्य और दिव्य सिंहस्थ के लिए आमंत्रित किया।

लोकतंत्र पर हमला, किसान संकट और प्रशासनिक विफलता के खिलाफ कांग्रेस का आंदोलन : जीतू पटवारी

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दतिया विधानसभा प्रकरण, प्रदेश के किसानों की बदहाल स्थिति और सरकार की कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश और देश में लोकतंत्र की बुनियाद, जनता का विश्वास लगातार कमजोर होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया और भारत के चुनाव आयोग पर जनता का घटता भरोसा लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत है।जीतू पटवारी ने शुक्रवार को अपने बयान में आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को न्याय के लिए 60 दिनों का समय दिए जाने के बावजूद, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने आधी रात को विधानसभा सचिवालय खुलवाकर उनकी सदस्यता समाप्त कर दी। उन्होंने इसे सत्ता के दबाव में लिया गया फैसला बताते हुए लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन करार दिया। उन्होंने यह भी कहा कि एक ओर नरोत्तम मिश्रा के खिलाफ पेड न्यूज का मामला लंबित है, लेकिन उस पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई, यह सरकार के दोहरे मापदंड को दर्शाता है। किसानों की स्थिति पर गंभीर चिंता जताते हुए पीसीसी चीफ पटवारी ने कहा कि प्रदेश में किसान कल्याण

वर्ष वास्तव में किसान शोषण वर्ष बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि खाद की कमी के चलते किसानों को लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ा, जहां महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार, लाठीचार्ज और कई बुजुर्ग किसानों की मौत तक की घटनाएं सामने आईं, जबकि सरकार लगातार कमी से इनकार करती रही। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि किसानों के लिए निर्धारित 50 प्रतिशत बजट खर्च ही नहीं किया गया, जो सरकार की नीयत पर सवाल खड़े करता है।

पटवारी ने गेहूं खरीदी में देरी और बारदाने की भारी कमी को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 में लगभग 10 करोड़ बारदाने की आवश्यकता थी, लेकिन सरकार ने केवल 2.60 करोड़ का ही आवेदन किया, जिससे करीब 7.5 करोड़ बारदाने की कमी उत्पन्न हुई। उन्होंने स्पष्ट किया कि जूट एक्ट के तहत राज्य सरकार को समय पर केंद्र को आवेदन और भुगतान करना होता है, लेकिन इसमें गंभीर लापरवाही बरती गई।पटवारी ने कहा कि यह संकट किसी युद्ध का परिणाम नहीं, बल्कि सरकार की अकर्मण्यता और कुप्रबंधन का नतीजा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी कारण से कमी हो सकती है तो वह पीपी (प्लास्टिक) बैग में हो सकती है, जूट बैग में नहीं, क्योंकि भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा जूट उत्पादक देश है। पटवारी ने बताया कि गेहूं खरीदी की तारीखें बार-बार आगे बढ़ाई गईं—पहले 16 मार्च, फिर 1 अप्रैल और अब 10 अप्रैल। इस अव्यवस्था के चलते किसानों को मजबूरी में अपनी फसल औने-पौने दामों पर व्यापारियों को बेचनी पड़ी, जिससे बड़ी संख्या में किसान आर्थिक संकट में आ गए।

जल गंगा संवर्धन अभियान से मजबूत होगा जिले का जल आधार

भोपाल (ए.)। जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन एवं सतत विकास को सुदृढ़ आधार प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अभियान चलाया जा रहा है। 19 मार्च से शुरू हुआ यह अभियान 30 जून 2026 तक चलेगा। प्रदेश सरकार द्वारा चलाया जा रहा यह महाअभियान केवल प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राज्य के समग्र विकास, ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण एवं भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण जन-अभियान के रूप में चल रहा है। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी ने बताया कि भोपाल जिले में इस वर्ष अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-वाटरशेड विकास के कार्यों को भी शामिल किया गया है। वाटरशेड विकास 2.0 के अंतर्गत 945 खेत-तालाब, 1200 डगवेल रिचार्ज कार्य, 5 अमृत सरोबर, 60 स्टॉप डैम, 250 प्याऊ के साथ बैरसिया की बयान नदी पुर्नजीर्वित हेतु विस्तृत कार्य चेक डैम, तालाब, रिचार्ज शाफ्ट तथा कुऐं एवं प्राचीन अन्य जल संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। इन कार्यों के माध्यम से वर्षा जल का अधिकतम संचयन, भू-जल पुनर्भरण, मृदा संरक्षण एवं जल उपलब्धता में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित की जाएगी।

भोपाल बनेगा 'मिनी मुंबई'!

– 12 हजार किमी में फैलेगा मेट्रोपॉलिटन रीजन, 2500 गांव होंगे स्मार्ट

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से सटे 5 जिलों को मिलाकर मेट्रोपॉलिटन रीजन बनाने का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस कड़ी में अब भोपाल के आस-पास के 2523 गांव को भी इस

रीजन में शामिल किया जाएगा। जिससे इन गांव को शहरों की जैसा डेवलप किया जाएगा। इसके लिए अगले 10 महीने में डीपीआर तैयार किया जाएगा। अगर भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन के एरिया की बात करें तो यह 12 हजार वर्गकिमी में फैला रहेगा, जो देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के 6300 वर्गकिमी एरिया से दोगुना है। इस रिपोर्ट में देखिए कैसे विकसित होगा भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन।मुंबई से बड़े इलाके में होगा भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन का विस्तार!भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन देश की आर्थिक मुंबई से भी बड़े इलाके में डेवलप किया जा रहा है। जिसमें राजधानी भोपाल और इसके पड़ोसी जिले रायसेन, सीहोर, विदिशा, राजगढ़ की कुल 12 हजार वर्गकिमी जमीन पर मेट्रोपॉलिटन रीजन का विस्तार किया जाएगा। अगर क्षेत्रफल की बात करें तो भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन का एरिया 12,099 वर्गकिमी में फैला रहेगा तो वहीं मुंबई मेट्रोपॉलिटन सिटी 6,300 वर्गकिमी में फैला रहेगा।

भाजपा का लक्ष्य सत्ता नहीं, राष्ट्र सेवा और समग्र विकासः अजय जामवाल

भोपाल/बड़वानी, (निप्र.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने शुक्रवार को बड़वानी जिले के खेतिया, पानसेमल और सेंधवा मंडलों में आयोजित प्रशिक्षण वर्गों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की राजनीति का मूल उद्देश्य सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि राष्ट्र और समाज की सेवा है। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य समाज के हर वर्ग का समग्र विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने भारत माता की जय के उद्घोष को भाजपा की पहचान बताते हुए कहा कि यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम का प्रतीक है। भारत हमारी भूमि है, माता हमारी संस्कृति है और जय जनता की शक्ति का प्रतीक है। यह उद्घोष हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करता है, उन्होंने कहा।अजय जामवाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की वास्तविक ताकत उसकी प्राथमिक इकाई-बूथ में निहित है।

मध्यप्रदेश पुलिस की अवैध हथियारों की तस्करी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश पुलिस अवैध हथियारों की तस्करी एवं अपराध नियंत्रण के विरुद्ध प्रदेशभर में लगातार सख्त और प्रभावी कार्रवाई कर रही है। इसी कार्यवाही के तहत विगत तीन सप्ताह के दौरान विभिन्न जिलों से 52 अवैध हथियार जब्त कर तस्?करों को गिरफ्तार किया है।

प्रमुख कार्यवाही

इंदौर

जिले के द्वारकापुरी थाना क्षेत्र से पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (टेलीग्राम एवं इंस्टाग्राम) के माध्यम से ग्राहकों से संपर्क स्थापित कर अवैध हथियारों की आपूर्ति करने वाले एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 06 देशी पिस्टल एवं 04 जिंदा कारतूस बरामद किए है।

वहीं, इंदौर ग्रामीण के थाना मानपुर में पुलिस ने

कार्रवाई करते हुए 04 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 पिस्टल जब्त की है। इस प्रकार इन दोनों कार्रवाइयों में पुलिस ने कुल 16 अवैध हथियार ज?त किये है।

खरगोन

जिले में थाना गोगावां पुलिस ने अंतर्राज्यीय हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए उत्तरप्रदेश एवं हरियाणा के आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 देशी पिस्टल एवं 05 देशी कट्टे (कुल 15 अवैध हथियार) तथा एक मोटरसाइकिल जब्त की। इसके अलावा थाना गोगावां एवं थाना भीकनगाँव पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए 03 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 08 देशी पिस्टल एवं 02 मोटरसाइकिल जब्त की हैं। इस प्रकार खरगोन जिले में कुल 23 अवैध हथियार जब्त किए गए हैं।

बड़वानी

थाना निवाली में पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक अवैध हथियार तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 07 देशी पिस्टल की है।

जबलपुर

जिले में क्राइम ब्रांच एवं थाना पाटन पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध हथियारों के कारोबार में लिप्त 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 04 देशी पिस्टल, 08 कारतूस, 03 मोबाइल फोन एवं एक कार जब्त की है। आरोपियों के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई है।

बुरहानपुर

थाना खकनार में अंतर्राज्यीय अवैध हथियार तस्करों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए पंजाब के 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से 02 हस्तनिर्मित पिस्टल जब्त की हैं। इन सभी कार्रवाइयों से स्पष्ट है कि मध्यप्रदेश पुलिस अवैध हथियारों की तस्करी के विरुद्ध सतत सतर्कता एवं दृढ़ता के साथ कार्य कर रही है। पुलिस की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के चलते अपराधियों के विरुद्ध कठोर कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे प्रदेश में कानून-व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो रही है।

दमोह के डायल-112 हीरोज

सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल 03 व्यक्तियों को पहुँचाया अस्पताल

भोपाल(आरएनएस)। दमोह जिले के थाना हटा क्षेत्र में डायल-112 जवानों की तत्पर एवं संवेदनशील कार्रवाई से दो मोटर साइकिल की टक्कर में गंभीर रूप से घायल तीन व्यक्तियों को समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया। इस त्वरित कार्रवाई से घायलों को शीघ्र चिकित्सकीय सहायता मिल सकी।दिनांक 02 अप्रैल को राज्य स्तरीय पुलिस

कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना हटा क्षेत्र अंतर्गत सेमरी फतेहपुर के पास दो मोटर साइकिल की आपसी टक्कर में 03 व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए हैं एवं तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही हटा थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।मौके पर पहुँचकर डायल-112 स्टाफ आरक्षक देवेन्द्र आठिया एवं पायलट श्री श्रीराम पटेल ने दुर्घटना में घायल तीनों व्यक्तियों को तत्काल सहायता प्रदान करते हुए त्वरित राहत कार्य प्रारंभ किया गया।डायल-112 जवानों ने सभी घायलों को एफआरव्ही वाहन की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, हटा पहुँचाया, जहाँ उनका उपचार किया जा रहा है। डायल-112 की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई से घायलों को समय पर उपचार उपलब्ध हो सका। डायल-112 हीरोज श्रृंखला के अंतर्गत यह घटना दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा आपात परिस्थितियों में आमजन की सहायता हेतु सदैव सजग, संवेदनशील एवं प्रतिबद्ध है।

3056 एलपीजी सिलेण्डर जब्त और 9 मामलों में एफआईआर की गई दर्ज : खाद्य मंत्री श्री राजपूत

भोपाल(आरएनएस)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने जानकारी दी है कि मध्यप्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल, पीएनजी और सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और सप्लाई में किसी प्रकार की रुकावट नहीं है। मंत्री श्री राजपूत ने अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा घबराहट में खरीदारी (पैनिक बाइंग) से बचें।

कालाबाजारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई

प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। अब तक 2250 स्थानों पर जांच की गई है, जिसमें 3056 एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए हैं और 9 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है। इसके अलावा 564 पेट्रोल पंपों की जांच भी की गई, जिनमें 2 मामलों में प्रकरण दर्ज कर एफआईआर दर्ज की गई है। जिला आपूर्ति अधिकारियों और ऑयल कंपनियों के अधिकारियों को पेट्रोल पंपों की नियमित जांच के निर्देश दिए गए हैं।घरेलू गैस उपभोक्ताओं द्वारा की गई बुकिंग के अनुरूप सिलेंडरों की आपूर्ति नियमित रूप से की जा रही है। वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को भी शासन द्वारा निर्धारित प्राथमिकता क्रम के अनुसार कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सतत आपूर्ति की जा रही है। उपभोक्ताओं की मांग को देखते हुए गैस बॉटलिंग प्लांट अतिरिक्त समय तक कार्य कर रहे हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित प्लांट और वितरकों के स्टॉक की निरंतर समीक्षा की जा रही है।

पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सुचारु

प्रदेश में सभी ऑयल कंपनियों के पास पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। पेट्रोल पंपों पर किसी प्रकार की कमी नहीं है और कंपनियों के डिपो से नियमित रूप से आपूर्ति जारी है। बढ़ती मांग को देखते हुए ऑयल कंपनियों के डिपो को भी अधिक समय तक संचालित किया जा रहा है, जिससे आपूर्ति व्यवस्था को सामान्य बनाए रखा जा सके।

पीएनजी कनेक्शन विस्तार पर जोर

सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (CGD) के अंतर्गत प्रदेश में कार्यरत 10 संस्थाओं को पीएनजी कनेक्शन की उपलब्धता बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं, जहां घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं की मांग और शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। पीएनजी पाइपलाइन जिन क्षेत्रों में बिछ चुकी है, वहां आवासीय परिसर, स्कूल, हॉस्टल, कॉलेज, कम्युनिटी किचन और आंगनवाड़ी केंद्रों को आवेदन प्राप्त होने के 5 दिन के भीतर पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

राजेंद्र भारती मामला पूरी तरह न्यायिक, भाजपा का कोई हस्तक्षेप नहीं : हेमंत खण्डेलवाल

भोपाल,(निप्र.)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शुक्रवार को कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती की विधानसभा सदस्यता समाप्त होने के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए स्पष्ट किया कि यह

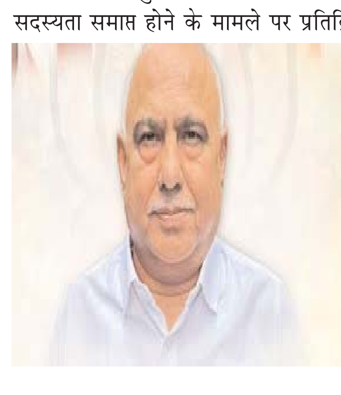

विषय पूरी तरह न्यायिक प्रक्रिया से जुड़ा है और इसमें किसी प्रकार का राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं है।उन्होंने कहा कि दस्तावेजों में कथित हेरफेर से जुड़े इस प्रकरण में न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर निर्णय दिया है, जिसका सम्मान करना सभी नागरिकों और राजनीतिक दलों का दायित्व है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की सदस्यता समाप्ति या उपचुनाव जैसे निर्णय संवैधानिक संस्थाओं—विशेष रूप से विधानसभा और निर्वाचन आयोग—के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। खण्डेलवाल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस मामले को अनावश्यक रूप से राजनीतिक रंग देने का प्रयास कर रही है, जबकि भाजपा का इससे कोई संबंध नहीं है।प्रदेश अध्यक्ष ने किसानों से जुड़े मुद्दों पर कहा कि राज्य सरकार उनके हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण बारदाना (बोरी) की कमी से खरीदी प्रक्रिया प्रभावित हुई है, लेकिन अब जल्द ही समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू की जाएगी। उन्होंने किसानों से धैर्य रखने की अपील करते हुए भरोसा दिलाया कि उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित किया जाएगा और सरकार इस दिशा में सभी आवश्यक कदम उठा रही है। हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि भाजपा एक अनुशासित और संगठित राजनीतिक दल है, जहां संगठन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। विभिन्न मोर्चों, प्रकोष्ठों, एल्डरमैन और जनभागीदारी संस्थाओं में नियुक्तियों की प्रक्रिया जारी है, जिसे जल्द ही पूर्ण किया जाएगा।

वैशाख एवं ज्येष्ठ माह में महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकालेश्वर पर गलंतिका से सतत जलाभिषेक प्रारंभ

उज्जैन, (ए.)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में परंपरानुसार 03 अप्रैल (वैशाख कृष्ण प्रतिपदा) से 29 जून (ज्येष्ठ पूर्णिमा) तक भगवान श्री महाकालेश्वर जी पर 11 मिट्टी के कलशों के माध्यम से सतत जलधारा हेतु गलंतिका लगाई गईइन कलशों में गंगा, सिंधु, सरस्वती, यमुना, गोदावरी, नर्मदा, कावेरी, सरयू, क्षिप्रा एवं गण्डकी जैसी पवित्र नदियों का स्मरण, आव्हान एवं ध्यान मंत्रों के साथ जल स्थापित कर भगवान श्री महाकालेश्वर पर निरंतर शीतल जलधारा अर्पण प्रारंभ हुआ यह अभिषेक प्रतिदिन प्रात: भस्मारती के पश्चात प्रारंभ होकर सायंकालीन पूजन तक जारी रहेगा। इस वर्ष ज्येष्ठ मास के पुरुषोत्तम मास (अधिकमास) होने के कारण एक माह अतिरिक्त कुल तीन माह जलधारा अर्पित की जाएगी।

सिर पर मंदिर रख नर्मदा परिक्रमा चार महीने की कठिन पदयात्रा करते अमरकंटक पहुंचे रहे प्रीतपाल

अनूपपुर(ए.)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले की प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक नगरी अमरकंटक में एक अनोखी नर्मदा परिक्रमा यात्रा शुक्रवार को देखने को मिली। महाराष्ट्र के पुणे निवासी 40 वर्षीय प्रीतपाल मां नर्मदा की भक्ति में लीन सिर पर काष्ठ से निर्मित मंदिर रखकर पैदल ओंकारेश्वर से अपनी परिक्रमा यात्रा शुरू कर अमरकंटक पहुंचे। पुणे निवासी प्रीतपाल इस विशेष मंदिर में त्रिदेव भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश के साथ मां नर्मदा की प्रतिमा विराजित कर अपने दैनिक उपयोग की सामग्री पीठ पर बैग में रखकर कठिन तपस्या और हठयोग के साथ यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने अपनी परिक्रमा यात्रा लगभग चार महीने की कठिन पदयात्रा के बाद अब आज अमरकंटक में माई की बगिया पहुंचकर विधिवत पूजन-अर्चन, आरती एवं तट-जल परिवर्तन की प्रक्रिया पूर्ण की और मां नर्मदा के दक्षिण तट से अपनी आगे की यात्रा पुन: प्रारंभ कर दी है। प्रीतपाल एक हाथ में दंड और कमंडल धारण किए, हंसते-मुस्कुराते हुए भजन-कीर्तन करते निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। उनकी यह तपस्या, उत्साह और अटूट श्रद्धा मार्ग में मिलने वाले लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही है।प्रीतपाल ने बताया कि प्रतिदिन लगभग 25 से 30 किलोमीटर पैदल यात्रा करते हैं। यात्रा के दौरान खंभात की खाड़ी भी पार कर चुके हैं और अनुमान है कि परिक्रमा पूर्ण होने में अभी लगभग तीन माह का समय और लगेगा। उन्होंने बताया कि मां नर्मदा की कृपा से यात्रा के दौरान कभी कोई कमी महसूस नहीं होती। वे प्रतिदिन प्रात: और सायंकाल मंदिर में स्थापित देव प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना करते हैं। मां नर्मदा कभी भूखे नहीं सुलातीं, किसी न किसी रूप में सहायता मिल ही जाती है। उन्होंने बताया कि नर्मदा परिक्रमा की प्रेरणा उन्हें अपने गांव के लोगों से मिली और यह उनके माता-पिता व पूर्वजों का आशीर्वाद है कि वे इस कठिन लेकिन पवित्र यात्रा को पूरा कर पा रहे हैं।

महंगाई को लेकर कांग्रेस ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

राजगढ़,(ए.)। सारंगपुर में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ता एसडीएम कार्यालय पहुंचे और नायब तहसीलदार को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस ने ज्ञापन में कहा कि मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण आम लोगों का घरेलू बजट बिगड़ रहा है और आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के चलते पूरे देश में महंगाई तेजी से बढ़ी है। बिजली, पेट्रोल-डीजल, राशन और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ने से आम मध्यमवर्गीय और गरीब परिवार गंभीर आर्थिक दबाव में हैं। कांग्रेस का दावा है कि वर्तमान सरकार की योजनाएं आमजन को राहत देने में विफल रही हैं। ब्लॉक अध्यक्ष दुर्गेश सोमानी ने कहा कि यह समस्या केवल सारंगपुर या मध्यप्रदेश तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में बढ़ती महंगाई लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की उदासीनता के कारण स्थिति सुधारने के प्रयास न के बराबर हैं। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेसजनों ने गेहूं खरीदी में देरी, गैस की किल्लत, अघोषित बिजली कटौती और मुख्यमंत्री कन्या विवाह सम्मेलन में अनियमितताओं जैसे मुद्दे भी उठाए। इस मौके पर पूर्व विधायक कृष्णमोहन मालवीय, जिला महामंत्री प्रदीप सादानी,नगर अध्यक्ष आबिद लोदी,पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष मोहन पाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आई ट्रैक्टर-ट्रॉली, महिला और मासूम जिंदा जले, दो गंभीर झुलसें

शिवपुरी,(ए.)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के कोलारस क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक भीषण हादसे में ट्रैक्टर-ट्रॉली हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आ गई, जिससे एक महिला और 7 वर्षीय मासूम की जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसे में दो अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं, जिनका उपचार जारी है।कोलारस थाना प्रभारी गब्बर सिंह गुर्जर के मुताबिक, राजस्थान के बारां जिले के खेड़ली गांव का बंजारा परिवार हर साल की तरह इस बार भी कोलारस क्षेत्र में भूसा खरीदने आया था। शुक्रवार सुबह टोल टैक्स के पास बने डेरे से दो ट्रैक्टर-ट्रॉली भूसा लेने के लिए निकले थे। आगे चल रहा ट्रैक्टर देहरदा गांव से कच्चे रास्ते होते हुए डोडयाई की ओर बढ़ रहा था, तभी रास्ते में बड़ा हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि ट्रॉली में अधिक भूसा भरने के लिए करीब 10-10 फीट ऊंचे लोहे के पाइप लगाए गए थे। रास्ते में झूल रही हाईटेंशन लाइन के तार पेड़ों की वजह से दिखाई नहीं दिए और पाइप उनसे टकरा गए। टकराते ही ट्रैक्टर-ट्रॉली में करंट फैल गया।हादसे के समय ट्रैक्टर पर विनोद बंजारा (27) पुत्र रंजीत बंजारा, उनकी पत्नी लीला बाई (30), केसर बाई पुत्री मेंबर बंजारा और 7 वर्षीय अनिल सवार थे। करंट लगते ही लीला बाई की साड़ी में आग लग गई, जिसकी चपेट में मासूम अनिल भी आ गया। दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं विनोद बंजारा और केसर बाई करंट के झटके से ट्रैक्टर से दूर जा गिरे, लेकिन वे गंभीर रूप से झुलस गए।

गुड-फ्राइडे पर क्रूस की दुःखमयी यात्रा का सजीव मंचन

–''मसीह क्रूस उठा के चला, जमी रो उठी, आसमा रो उठा''

जबलपुर, (ए.)। लड़खड़ाते कदम... लहुलूहान बदन... सिर पर काँटों का ताज एवं भारी क्रूस के बोझ को लेकर चलते प्रभु येसु को देखकर शहर की मुख्य सड़कों पर चल रहे राहगीर थम गये। कौतूहलवश वे इस दर्दनाक एवं दुःखमयी यात्रा के दृश्यों को देखकर आंसू बहा रहे थे। अवसर था गुड-फ्राइडे (पुण्य शुक्रवार) के पावन अवसर पर बालक येसु के तीर्थ स्थल, होली ट्रिनीटी चर्च द्वारा निकाली जा रही क्रूस की दुःखमयी यात्रा का। जिसमें नगर के विभिन्न चर्चों के खीस्तीय कलाकार प्रभु येसु के दुःखभोग के दृश्यों को सजीव मंचन कर रहे थे। ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे दो हजार वर्षों पूर्व येरुषलेम की सड़कों पर मुक्तिदाता येसु मसीह को क्रूस देकर जो यातनायें दी गईं थी, वो हजारों आँखों के सामने सजीव हो उठीं। संस्कारधानी के संपूर्ण खीस्तीय समाज के साथ-साथ अन्य धर्मावलंबी भाई-बहिनों की आँखें भी येसु को क्रूस लिये देखकर नम हो गईं। इस क्रूस यात्रा के दौरान दर्द भरे धार्मिक गीतों- ''प्यारे येसु अब तो गुनाहों से

तौबा'', ''जो क्रूस पे कुर्बान है वो मेरा मसीहा है'', ''जमी रो उठी आसमाँ रो उठा हमारा मसीह क्रूस उठा के चला'', ''काँटें हो रहा पर कभी चलते ही जायें हम''... गाते हुये अश्रुपूर्ण नेत्रों से विश्वासियों की सहभागिता देखने को मिली।

इस क्रस की दुःखमयी यात्रा में गेतसेमनी बाग में येसु द्वारा प्रार्थना के दृष्य से लेकर कैफस के महल में पेशी, येसु को रोमी राज्यपाल पिलातुस द्वारा प्राणदंड की सजा, कांधों पर क्रूस लाद कर कलवारी पहाड़ के मार्ग पर लड़खड़ाते हुये चलते येसु राह में धर्मी स्त्री वेरोनिका एवं येरुशलेम की स्त्रियों से मिलते हैं, जहाँ स्त्रियाँ येसु को प्राण पीड़ा में देखकर रोती-बिलखती है। सृष्टिकर्ता की माता मरियम, येसु को देखकर भाव विहिल होकर इन्हें गले से लगाती हैं तथा मुक्तिदाता को क्रूस पथ पर चलने के लिये हौंसला देती है। लहुलूहान पैरों में कंपन होते हैं और येसु मसीह डगमगा कर तीन बार भारी क्रूस के बोझ में दब कर गिरते हैं। कलवारी पहाड़ में अधमरे होकर पहुंचे येसु को क्रूर सैनिकों द्वारा निर्वस्त्र किया जाता है, वस्त्रहीन होने से उनके घाव खुल जाते हैं तथा रक्त-धारा बहने लगती है। सैनिकों द्वारा उन्हें क्रूस पर ठोंक कर क्रूस खड़ा कर देते हैं। जहाँ सात वाणी बोलते-बोलते येसु अपने प्राणों का उत्सर्ग कर देते हैं। इसके पश्चात् उन्हें (येसु) कब्र में रखने के दृश्य का मंचन भी किया गया।

पल्ली महासचिव संजय मैथ्यूस ने जानकारी दी कि वर्ष 1997 से प्रारंभ क्रूस की दुःखमयी यात्रा के मंचन का यह 29वाँ वर्ष है। प्रतिवर्ष होली ट्रिनीटी चर्च के पल्लीसियों सहित विभिन्न पल्लियों के विश्वासी कलाकारों द्वारा क्रूस की दुःखमयी यात्रा का सजीव मंचन किया जाता है। इस क्रूस यात्रा में 5 हजार लोगों की उपस्थिति रहती है। क्रूस की दुःखमयी यात्रा में 50 से भी अधिक कलाकारों ने अपने सजीव अभिनय द्वारा लोगों को आकर्षित किया।

व्यापार समाचार

भारत ने बढ़ाया अमेरिका का सिरदर्द, व्यापार में दिया 54.91 अरब डॉलर का भारी घाटा; सामने आए चौंकाने वाले आंकड़े

वाशिंगटन (आरएनएस) । सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले 12 महीनों में अमेरिका को भारत के साथ व्यापार में 54.91 अरब डॉलर का घाटा हुआ है। इस बड़े घाटे की वजह से भारत अब उन देशों में शामिल हो गया है जिनसे अमेरिका को सबसे ज्यादा व्यापारिक घाटा (नुकसान) होता है। वहीं, फरवरी के महीने में दुनिया भर के दूसरे देशों के साथ भी अमेरिका का कुल व्यापार घाटा और ज्यादा बढ़ा है।

महीने के आंकड़ों से पता चला कि फरवरी में अमेरिका का व्यापार घाटा बढ़कर 57.35 बिलियन डॉलर हो गया, जो जनवरी से 2.67 बिलियन डॉलर ज्यादा है, हालांकि यह अभी भी 12 महीने के एवरेज से 11 फसदी कम है।

यह बढ़ोतरी इसलिए हुई क्योंकि इम्पोर्ट, एक्सपोर्ट से ज्यादा तेजी से बढ़ा। महीने के दौरान कुल एक्सपोर्ट 314.8 बिलियन डॉलर रहा, जबकि इम्पोर्ट 372.1 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

वस्तु व्यापार में अमेरिका को 84.60 अरब डॉलर का घाटा हुआ, जबकि सेवाओं के क्षेत्र में 27.26 अरब डॉलर का अधिशेष दर्ज किया गया। जनवरी की तुलना में वस्तु व्यापार घाटा बढ़ा, जबकि सेवाओं का अधिशेष घट गया।

भारत अमेरिका के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में बना रहा। केवल फरवरी में ही अमेरिका ने भारत के साथ लगभग 3.5 अरब डॉलर का वस्तु व्यापार घाटा दर्ज किया।

फरवरी 2026 तक 12 महीने के समय में, भारत का अमेरिका के कुल सामान व्यापार घाटा में लगभग 5.01 फीसदी हिस्सा था, जो दोनों देशों के बीच लगातार ट्रेड फ्लो को दिखाता है।

भारत अमेरिकी इंपोर्ट के बड़े सोर्स में भी शामिल था। इसी समय में भारत से कुल 101.97 बिलियन डॉलर का सामान इंपोर्ट हुआ, जो अमेरिकी मार्केट में फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग गुड्स और दूसरे प्रोडक्ट्स की सप्लाई में इसकी भूमिका को दिखाता है।

वहीं, भारत से इंपोर्ट से अमेरिकी कस्टम ड्यूटी में 12.34 बिलियन डॉलर आए, जिसका एवरेज टैरिफ दर 12.12 फीसदी था।

अमेरिका के समग्र व्यापार परिदृश्य में मेक्सिको, वियतनाम और चीन के साथ बड़े असंतुलन देखने के लिए मिले, जो वस्तु व्यापार घाटे में सबसे अधिक योगदान देने वाले देश बने रहे।

फरवरी में एक्सपोर्ट बढ़ा, क्योंकि इंडस्ट्रियल सप्लाई और मटीरियल की शिपमेंट ज्यादा हुई, जिसमें नॉन-मॉनेटरी सोना और नैचुरल गैस शामिल हैं। सर्विसेज एक्सपोर्ट भी थोड़ा बढ़ा।

हालांकि, कैपिटल गुड्स, कंप्यूटर, सेमीकंडक्टर, क्रूड ऑयल और फार्मास्यूटिकल तैयारियों की डिमांड की वजह से इंपोर्ट ज्यादा तेजी से बढ़ा।पिछले साल ट्रेड किए गए सामानों में, सिविलियन एयरक्राफ्ट, फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट और नॉन-मॉनेटरी सोना अमेरिका के मुख्य एक्सपोर्ट थे। इंपोर्ट की बात करें तो, फार्मास्यूटिकल्स, कंप्यूटर और पैसेंजर गाड़ियों का दबदबा रहा।महीने में बढ़ोतरी के बावजूद, लंबे समय के ट्रेंड से व्यापार असंतुलन में कुछ कमी दिख रही है। साल-दर-साल के डेटा से पता चला है कि पिछले साल इसी समय की तुलना में घाटा कम हुआ है, जिसमें एक्सपोर्ट बढ़ा है और इंपोर्ट सालाना आधार पर घटा है।

फरवरी में, अमेरिका ने इंपोर्ट ड्यूटी के तौर पर 21.24 बिलियन डॉलर इकट्ठा किए, जो 12 महीने के एवरेज से लगभग 13 फीसदी कम है। एवरेज लागू ड्यूटी रेट 8.48 फीसदी था।

ट्रंप की ईरान संबंधी चेतावनी से सोना और चांदी में बड़ी गिरावट, खरीदारी करने का अच्छा मौका

मुंबई (आरएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पश्चिम एशिया को लेकर दिए गए बयान के बाद गुरुवार को कीमती धातुओं की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली। दिन के कारोबार में सोने-चांदी की कीमतें 7 प्रतिशत तक गिर गईं, जिससे युद्धविराम की उम्मीद कर रहे बुलियन निवेशकों को बड़ा झटका लगा।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के वायदा भाव (5 जून) में 3.60 प्रतिशत से ज्यादा यानी करीब 6,000 रुपए गिरकर 1,47,100 रुपए प्रति 10 ग्राम के इंट्राडे लो तक पहुंच गया। हालांकि खबर लिखे जाने तक (दोपहर करीब 11.52 बजे) सोना 3.68 प्रतिशत यानी 5,659 रुपए गिरकर 1,48,049 रुपए पर ट्रेड करता नजर आया। वहीं, चांदी का वायदा भाव (5 मई) में और ज्यादा गिरावट देखने को मिली और इसकी कीमत 7 प्रतिशत से ज्यादा यानी 17,200 रुपए से ज्यादा टूटकर 2,24,500 रुपए प्रति किलो के इंट्राडे लो तक पहुंच गई। हालांकि खबर लिखे जाने तक यह 7.10 प्रतिशत या 17,280 रुपए की गिरावट के साथ 2,26,221 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती नजर आई।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने-चांदी की कीमतों में कमजोरी रही। स्पॉट गोल्ड 2.26 प्रतिशत गिरकर 4,650.30 डॉलर तक पहुंच गया, जबकि स्पॉट सिल्वर 4.7 प्रतिशत गिरकर 71.50 डॉलर पर आ गया। वहीं, कॉमेक्स पर गोल्ड 2.73 प्रतिशत गिरकर 4,813 डॉलर पर ट्रेड करता दिखा, जबकि सिल्वर करीब 6 प्रतिशत टूटकर 71 डॉलर तक आ गया। विश्लेषकों का कहना है कि दोनों कीमती धातुओं की कीमतों का रुझान फिलहाल कमजोर बना हुआ है।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने लॉन्च की नई वेबसाइट, अब एआई असिस्टेंट 'कर साथी' के साथ टैक्स भरना होगा आसान

नई दिल्ली (आरएनएस)। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने गुरुवार को नई वेबसाइट लॉन्च की। इस वेबसाइट को एआई असिस्टेंट 'कर साथी' के साथ लॉन्च किया गया है। इससे टैक्स भरना पहले के मुकाबले आसान हो जाएगा।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स 'पर की गई एक पोस्ट में कहा गया कि नई इनकम टैक्स वेबसाइट शुरू हो चुकी है। यह नेविगेट करने में आसान और उपयोग करने में तेज है। इसमें इनकम टैक्स से जुड़ी सारी जानकारी एक ही स्थान पर मौजूद है। पोस्ट में आगे बताया गया कि इसमें एआई असिस्टेंट 'कर साथी' दिया हुआ है जो कि डायरेक्ट टैक्स भरने की आपकी यात्रा को आसान बनाएगा। इस पोस्ट के साथ इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें बताया गया कि नई इनकम टैक्स वेबसाइट को लॉन्च कर दिया गया है। इसमें अधिक जानकारी दर्शाने वाले डिजाइन और स्मार्ट नेविगेशन से यूजर्स आसानी से जानकारी हासिल कर सकते हैं।डिपार्टमेंट ने बताया कि वेबसाइट को समावेशी और यूजर्स फ्रेंडली बनाया है और इसे डेस्कटॉप, मोबाइल और टैबलेट से एक्सेस किया जा सकता है।

एलपीजी की किल्लत की अफवाहों के बीच केंद्र का बड़ा एक्शन, राज्यों को दी सख्त चेतावनी

नई दिल्ली (आरएनएस),। देश के कई हिस्सों में रसोई गैस (LPG) की कमी को लेकर फैल रही भ्रामक खबरों और अफवाहों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। इस अफवाह के कारण बाजारों में अचानक पैनिक बायिंग (घबराहट में खरीदारी) का माहौल देखने को मिल रहा है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय (MoPNG) ने स्थिति को संभालने के लिए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को एक अहम पत्र लिखा है। केंद्र ने साफ कहा है कि रसोई गैस की कोई कमी नहीं है, लेकिन जनता के बीच सही जानकारी पहुंचाने में कई राज्य पीछे छूट रहे हैं, जो चिंता का विषय है।

पेट्रोलियम सचिव नीरज मित्तल ने राज्यों को लिखे अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि कुछ क्षेत्रों में अभी भी लगातार गलत जानकारी और अफवाहें फैलाई जा रही हैं। इसके कारण आम जनता के मन में अनावश्यक डर बैठ गया है और लोग जरूरत से ज्यादा गैस सिलेंडर बुक या स्टोर कर रहे हैं। मंत्रालय ने राज्यों से अपील की है कि वे अपनी संचार व्यवस्था को तुरंत प्रभाव से

मजबूत करें। वर्तमान में उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, ओडिशा और उत्तराखंड जैसे केवल 17 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ही नियमित रूप से प्रेस ब्रीफिंग कर रहे हैं। केंद्र ने बाकी सभी राज्यों को भी तुरंत इसी तरह के ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया है।

कालाबाजारी पर कड़े एक्शन और रोजाना प्रेस ब्रीफिंग की सलाह

मंत्रालय ने हालात को काबू में करने के लिए सभी राज्यों को सलाह दी है कि वे वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर रोजाना प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करें। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के जरिए जनता तक सही और सटीक जानकारी समय पर पहुंचाई जाए, ताकि लोगों को एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता और सुचारु वितरण का पूरा भरोसा मिल सके। सिर्फ अफवाहों को रोकना ही काफी नहीं है, बल्कि केंद्र ने राज्यों को जमाखोरी और कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ भी बेहद सख्त कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन को स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि ऐसी अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए लगातार छापेमारी और निगरानी की जाए।

आपको बता दें कि अफवाहों का यह बाजार हाल ही में पश्चिम एशिया में शुरू हुए भू-राजनीतिक तनाव के कारण गर्म हुआ है। 27 मार्च को मंत्रालय ने एक चेतावनी जारी की थी, जिसमें बताया गया था कि इन अंतरराष्ट्रीय तनावों के कारण वैश्विक सप्लाई चेन पर असर पड़ सकता है।

शेयर बाजार में महारिकवरी, निवेशकों ने एक दिन में ही कमाए 15,000 करोड़

मुंबई,(आरएनएस)। भारतीय शेयर बाजार के लिए गुरुवार का सत्र उतार-चढ़ाव भरा रहा। बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन दिन के अंत में तेजी के साथ बंद हुआ। कारोबारी सत्र में बाजार में मजबूती रिकवरी देखी गई। सेंसेक्स में इंट्रा-डे लो 71,545 अंक से 1,774 अंक की बढ़त देखी गई।

दिन के अंत में सेंसेक्स 185.23 अंक या 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 73,319.55 की बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी में इंट्रा-डे लो 22,182 से 531 अंक की रिकवरी देखी गई। यह 33.70 अंक या 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,713.10 पर बंद हुआ। बाजार में तेजी का नेतृत्व आईटी शेयरों ने किया। सूचकांकों में निफ्टी आईटी 2.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी रियल्टी 1.07 प्रतिशत, निफ्टी सर्विसेज 0.54 प्रतिशत, निफ्टी मेटल 0.39 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.39 प्रतिशत और निफ्टी एफएमसीजी 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी तरफ निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.93 प्रतिशत, निफ्टी फार्मा 0.92 प्रतिशत, निफ्टी हेल्थकेयर 0.86 प्रतिशत, निफ्टी ऑयलएंडगैस 0.79 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 0.62 प्रतिशत और निफ्टी इन्फ्रा 0.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ लाल निशान में थे।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

गिरफ्तारी का मामला गंभीर

गिरफ्तार लोगों में सबसे संदिग्ध भूमिका अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैन डाइक की है। वह पहले लीबिया और सीरिया के सशस्त्र संघर्षों में शामिल रह चुका है। वह म्यांमार स्थित विद्रोहियों को ड्रोन युद्धकला सिखाने में लगा हुआ था। छह यूक्रेनी और एक अमेरिकी नागरिक की गिरफ्तारी का मामला गंभीर है। यूक्रेन सरकार ने इन गिरफ्तारियों पर विरोध जता कर इसे रहस्यमय भी बना दिया है। इन लोगों की गिरफ्तारी बागी संगठनों की मदद करने और अवैध हथियार उपलब्ध कराने के आरोप में हुई है। ऐसे में बिना पूरा सच सामने आए यूक्रेन सरकार उनके पक्ष में क्यों खड़ी हो गई? आरोप है कि इन लोगों ने यूरोप से ड्रोन की भारी खेप मंगा कर उसे म्यांमार के सशस्त्र विद्रोही संगठनों को उपलब्ध कराया। ये लोग भारत आकर बिना परमिट हासिल किए मिजोरम चले गए। वहां से सीमा पार कर म्यांमार गए। वहां से लौटने पर भारत की जांच एजेंसी एनआईए ने उन्हें गिरफ्तार किया।एनआईए के अनुसार म्यांमार के जिन गुटों की मदद ये आरोपी कर रहे थे, उनके भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के विद्रोही संगठनों से हथियारों के आदान-प्रदान एवं प्रशिक्षण में सहयोग के संबंध हैं। ये जग-जाहिर है कि म्यांमार के गृह युद्ध में बाहरी शक्तियों का हाथ भी है। उस संघर्ष के कारण बड़ी संख्या में शरणार्थी भारत आए हैं। बल्कि आरोप है कि वहां से संबंधित उग्रवादियों ने मणिपुर और मिज़ोरम में अपने ठिकाने बना लिए हैं। नई दिल्ली की अदालत में पेशी के दौरान एनआईए ने कहा कि गिरफ्तार लोग भाड़े के सैनिक की भूमिका निभा रहे थे। उनकी गतिविधियां भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनी हैं। एजेंसी ने उन लोगों पर गैर-कानूनी गतिविधि (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार लोगों में सबसे संदिग्ध भूमिका अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैन डाइक की बताई गई है। वह पहले लीबिया और सीरिया के सशस्त्र संघर्षों में शामिल रहा है, जहां बाहरी मदद से शासकों को हटाया गया था। एनआईए का आरोप है कि वह अपने युद्ध अनुभव का उपयोग म्यांमार स्थित विद्रोहियों को ड्रोन युद्धकला सिखाने में कर रहा था। तो कुल मिलाकर ये गिरफ्तारियां उत्तर-पूर्व में विदेशी हस्तक्षेप की चिंताजनक स्थितियों की ओर इशारा करती हैं। अपेक्षित है कि इस मामले की पूरी जांच हो और इसे अंजाम तक पहुंचाया जाए। इस बीच यूक्रेन के विरोध को नजरअंदाज कर दिया जाना चाहिए।

राष्ट्रकवि माखनलाल चतुर्वेदी जयंती पर विशेष

माखनलाल चतुर्वेदी की जन्म स्थली बाबई, कर्मस्थली हिरनखेड़ा और खंडवा को बनाया

स्वतंत्रता संग्रांम सेनानियों के प्रशिक्षण के लिए बनाया था स्वराज

बलराम शर्मा

राष्ट्रकवि माखनलाल चतुर्वेदी की आज जयंती है। एक भारतीय आत्मा के नाम से प्रसिद्ध भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों में माखन दादा प्रमुख स्थान रखते हैं। महात्मा गांधी सहित तमाम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उन्हें बहुत सम्मान देते थे। उन्होंने अपना समग्र जीवन राष्ट्र सेवा में अर्पित कर दिया। नर्मदापुरम जिले के बाबई में जन्मे चतुर्वेदीजी के नाम से उस नगर का नाम माखन नगर हो गया है। दादा की जन्म स्थली माखन नगर थी। लेकिन कर्म स्थली के रूप में उन्होंने हिरनखेड़ा और उसके बाद खंडवा को चुना था। यह बात हिरनखेड़ा गांव के अनेक लोग बताते हैं। सबसे खास बात यह है कि जिस स्थान पर वे कुछ वर्ष रहे उसका नाम स्वराज रखा गया था। जिसे गांव का बच्चा बच्चा भी स्वराज के नाम से जानता है। अभी तक उस स्थान का नाम गांव के लोग बड़े उत्साह के साथ सुराज नाम लेते हैं। हिरनखेड़ा गांव के लोगों का कहना है दादा ने यहां पर एक स्कूल खोला था जिसका नाम था सेवा सदन विद्यालय। यहां पर आसपास के गांवों के बच्चे भी पढ़ने आते थे। उसी दौरान आजादी की जंग शुरू हो गई थी। स्कूल के पास का कुछ हिस्सा उस समय के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की शरण स्थली के साथ ही प्रशिक्षण के काम भी आता था। सेनानियों की गुप्त बैठकें भी यहीं पर होती थी। दादा विद्यार्थियों के साथ ही सेनानियों को देश प्रेम का पाठ पढ़ाते थे। यहीं पर काव्य रचना भी करते थे। जिस स्थान पर वह रहते थे उस पूरे क्षेत्र को स्वराज का नाम दिया गया था। गांव के लोग बताते हैं कि चतुर्वेदीजी ने हिरनखेड़ा के प्राचीन तालाब के किनारे स्वराज्य आश्रम बनाया था। यहीं पर उस समय हाई स्कूल शुरू किया था साथ ही यहां पर आवासीय सुविधा भी छात्रों के लिए थी जिसमें कि बाहर के छात्र यहीं पर रुकते थे। इन्हीं छात्रों में से एक छात्र स्व. बृजलाल वर्मा आगे चलकर भारत सरकार में संचार मंत्री हुएयहां चतुर्वेदीजी के पास स्वतंत्रता संग्राम के अनेक यशस्वी नेता भूमिगत रहकर आंदोलन चलाते थे इनमें से एक नाम पंडित सुंदरलाल तपस्वी का है जिन्हें गिरपफतार करने के लिए अंग्रेज सरकार ने बड़ा ईनाम रखा था। पंडित सुंदरलाल तपस्वी ने भारत में अंग्रेजी राज ग्रंथ की रचना की थी जिसके चार भाग प्रकाशित हुए थे और जिन्हें अंग्रेजों ने प्रतिबंधित कर दिया था। ऐसे ही

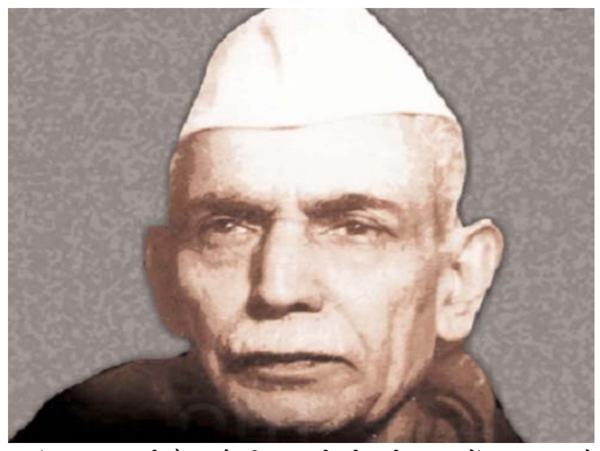

यहां माखनलालजी के भाई हरिप्रसादजी भी इसी स्कूल में अध्यापक रहे थे जो बाद में श्यामा प्रसाद शुक्ल के मंत्रीमंडल में मंत्री रहे। दादा के नेतृत्व में हिरनखेड़ा में स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन की अनेक गुप्त बैठकें होती रही। विशेष बात यह थी कि दादा के भाईयों जिनमें स्वर्गीय पं रामदयाल चतुर्वेदी, ब्रजभूषण चतुर्वेदी ने भी अपना पूर्ण सहयोग दिया। जब आंदोलन तेज गति पकड़ चुका था तब दादा यहां से खंडवा की ओर चले गए थे। जहां से कर्मवीर का प्रकाशन शुरू किया।

दादा के नाम पर हाईस्कूल है

दादा के नाम पर हिरनखेड़ा में स्वराज भवन का तो कोई नाम निशान नहीं बचा है। उनके नाम पर गांव में दूसरी जगह माखनलाल चतुर्वेदी हाईस्कूल जरूर संचालित हो रहा है। गांव के लोगों की इच्छा है कि यहां पर दादा के नाम का कोई अच्छा सा स्मारक बनना चाहिए।

साहित्य के साथ शिक्षा और राष्ट्रप्रेम की अलख जगाई माखन दादा ने

आजादी की लड़ाई में साहित्यकारों का विशेष योगदान रहा है। उनमें दादा माखनाल चतुर्वेदी का भी प्रमुख स्थान है। तभी तो महात्मा गांधी भी दादा से काफी प्रभावित रहे हैं। माखननगर के बुजुर्गों को इस बात की जानकारी है कि जब बापू इटारसी आए थे तब उन्होंने कहा था कि मुझे माखनलाल की बाबई के दर्शन करने जाना है। उसके बाद महात्मा गांधी इटारसी होते हुए बाबई आए भी थे।

12 बार जाना पड़ा जेल

दादा माखन लाल चतुर्वेदी स्वत्रंतत्रा संग्राम आंदोलन के दौरान 12 बार जेल गए उन्होंने जेल में ही पुष्प की अभिलाषा नामक कविता लिखी जो उनकी प्रसिद्ध रचना है। पुष्प की अभिलाषा लिखे हुए 105 वर्ष हो गए हैं। उनका बचपन बाबई में ही बीता है। युवावस्था में दादा खंडवा पहुंचे जहां पर उन्होंने शिक्षक का कार्य किया उसके कुछ समय बाद ही पत्रकारिता से जुड़ गए थे। पत्रकारिता करते हुए ही उन्होंने कविताएं लिखना शुरू कर दिया। हिमकिरीटनी जैसी उत्कृष्ट काव्य कृति ने उन्हें अनेक पुरूष्कार दिलवाए हैं।

दादा के बारे में लोगों के विचार

चरण स्पर्श किए हैं

नर्मदापुरम के वरिष्ठ नागरिक गोपीकांत घोष बताते हैं कि जब मैं कक्षा नवमी में था तब खंडवा में हमारे परिजन का घर बढ़ा बम मोहल्ला में था वहीं पर दादा का निवास भी था तब दादा के चरण स्पर्श का मौका मिला है।

सभी से प्रेम करते थे दादा

दादा के नाती ने कुछ समय पूर्व बताया था कि दादा सबसे प्रेम करते थे। मैं छोटा था तब उनके पास रहने का अनेक बार अवसर मिला। मुझे पास बुलाते थे। अच्छी शिक्षा देते थे। उन्हीं के मार्गदर्शन मिलने से मैं शिक्षक बना था। ध्रुव कुमार तिवारी उनकी बहन की बेटी का बेटा।

व्यवस्थित संग्रहालय हो

देश के वरिष्ठतम साहित्यकार की जन्म स्थली माखननगर बाबई माखन नगर में दादा के नाम का एक व्यवस्थित संग्रहालय होना चाहिए। उन्होंने देश की आजादी में गांधी जी के साथ स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ते हुए जेल गए। उनकी श्रेष्ठ रचनाओं में से पुष्प की अभिलाषा का यह शताब्दी वर्ष है। यह कविता उन्होंने 1921 में जेल में ही लिखी थी।

कीर्ति प्रदीप वर्मा साहित्यकार माखननगर बाबई

दादा का हिरनखेड़ा से विशेष प्रेम था

हमारे गांव के बुजुर्गों से सुना है कि माखन लाल चतुर्वेदी जी को हिरनखेड़ा गांव से विशेष प्रेम था। दादा के नाम पर गांव में दूसरी जगह माखनलाल चतुर्वेदी हाईस्कूल संचालित हो रहा है। गांव के लोगों की इच्छा है कि यहां पर दादा के नाम का कोई स्मारक बनना चाहिए।

रामकुमार गौर
हिरनखेड़ा

जनजातीय खेल प्रतिभाः हमारा राष्ट्रीय गौरव

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

मैंने देखा है कि ग्रामीण क्षेत्रों और वनांचलों में, बच्चे घर के बाहर प्रकृति के सानिध्य में अधिक समय बिताते हैं। वे खेल-कूद के सहज तरीके खोज लेते हैं। वे मिट्टी में लकीरें खींचकर और आकृतियां बनाकर, खेलने की जगह तैयार कर लेते हैं। वे फलों के सूखे बीजों का खेल की गोटियों की तरह इस्तेमाल कर लेते हैं। सूखे पत्तों, पेड़ों की जड़ों और फटे-पुराने कपड़ों से गेंद बना लेते हैं। बांस का उपयोग करके हॉकी और फुटबाल के गोल-पोस्ट बना लेते हैं। इस प्रकार, अनेक प्राकृतिक वस्तुओं का उपयोग करके, वे अपने खेल-संसार की रचना कर लेते हैं। बहुत से बच्चे बिना जूते और जर्सी के पूरे जोश से खेलते रहते हैं। पोखरों-तालाबों में बच्चे खूब तैरते रहते हैं। तैराकी की इस सहज प्रतिभा को अब उपलब्ध प्रशिक्षण और संसाधनों की सहायता से विकसित करके, केवल 15 वर्ष की, जाजपुर की बेटी अंजलि मुंडा ने प्रथम 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026' में पहले ही दिन तीन स्वर्ण-पदक जीत कर पूरे देश के युवाओं को प्रेरित किया।

तीरंदाजी के प्रति जनजातीय लोगों में सहज तरंग सी होती है। संताल-समुदाय ने वर्ष 1855 में शोषण के विरुद्ध एक घनघोर संग्राम किया था जो 'संताल हूल' के नाम से अमर है। आधुनिक हथियारों से लैस ब्रिटिश सेनाओं ने उस क्रान्ति को दबा तो दिया लेकिन अपने विवरणों में अंग्रेजों ने संताल वीरों के युद्ध कौशल, खासकर तीरंदाजी का विशेष उल्लेख किया है। संताल-हूल का नेतृत्व करने वाले बहादुर भाइयों सिद्धो-कान्हू तथा चांद-भैरव एवं वीरांगना बहनों, फूलो-झानो की प्रतिमाओं का झारखंड में उनके गांव उरी-मारी में जाकर अनावरण करने का सौभाग्य मुझे तब मिला था जब मैं राज्यपाल थी। तीरंदाजी में एकलव्य की महानता से देश का बच्चा-बच्चा परिचित है। वे श्रेष्ठतम धनुर्धर के रूप में सम्मानित हैं। एकलव्य, सभी देशवासियों के लिए, विशेषकर जनजातीय समाज के लिए एक प्रेरक विभूति हैं। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में स्थापित 'खेल उत्कृष्टता केंद्र' बच्चों को खेल-कूद की आधुनिक सुविधाओं और पद्धतियों से सक्षम बना रहे हैं। इसी प्रकार स्कूल-व्यवस्था के साथ-साथ अन्यत्र विद्यमान खेल-प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें प्रशिक्षित करने के कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं।

मेरे व्यक्तिगत प्रयासों से, मेरे गांव में वंचित वर्गों के बच्चों के लिए एक आवासीय स्कूल की स्थापना की गई है। इस विनम्र प्रयास के तहत स्कूल के परिसर में ही तीरंदाजी के प्रशिक्षण की व्यवस्था भी कराई गई है। सरकार के प्रयासों के साथ-साथ छोटे-छोटे व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयास भी जनजातीय बच्चों में निहित खेल-प्रतिभाओं को निखारने में सहायक होंगे।

मेरे गांव के अन्य जनजातीय बच्चों की तरह, मुझमें भी तैराकी सहित, व्यायाम और खेलों के प्रति बहुत रुझान था। मैं स्कूल की खेल प्रतियोगिताओं में प्राय: प्रथम स्थान पर रहती थी। एक प्रतियोगिता में जानबूझकर मैंने अपने को इसलिए पीछे रखा ताकि मेरी एक सहेली को प्रथम पुरस्कार का आनंद मिल सके। खेल-कूद से टीम भावना विकसित होती है तथा सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं। मैदान पर कड़ी प्रतिस्पर्धा और मैदान के बाहर गहरी मित्रता, खिलाड़ियों में प्राय: देखने को मिलती है।

मेरे भाई फुटबाल के बहुत अच्छे खिलाड़ी रहे हैं जो गंभीर चोट लगने के कारण आगे नहीं खेल सके। मेरे परिवार के कुछ अन्य सदस्यों ने भी विभिन्न खेलों में उत्कृष्टता प्रदर्शित की है। इस निजी विवरण से मैं यह बताना चाहती हूं कि जनजातीय परिवारों में खेल-कूद की जीवन्त परंपरा विद्यमान है। उनमें खेलों के लिए असीम प्रतिभा है, ऊर्जा है, रुचि है और आगे बढ़ने का हौसला भी है। सुविधाओं और प्रशिक्षण के द्वारा ऐसी प्रतिभाओं को निखारने से, खेल-कूद उनके लिए केवल मनोरंजन और सामाजिक मेल-जोल का जरिया न होकर जीवन में आगे बढ़ने का, आर्थिक आत्म-निर्भरता और सामाजिक सम्मान प्राप्त करने का माध्यम बन सकता है। इस संदर्भ में वर्ष 2018 से केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों तथा खेल- संस्थानों के साथ मिलकर चलाए जा रहे 'खेलो इंडिया' अभियान द्वारा अच्छा बदलाव आया है। कुछ वर्षों पहले तक हमारे देश में खेल-कूद की अच्छी सुविधाएं केवल महानगरों तक सीमित थीं जबकि ग्रामांचलों और वनांचलों में अनेक प्रतिभावान खिलाड़ी रहते हैं। जनजातीय क्षेत्रों में खेल-अकादमी और प्रशिक्षण सुविधाएं सुलभ नहीं होती थीं। अब एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में बच्चों के खेल-कूद पर विशेष ध्यान देने से लेकर खेलो इंडिया जनजातीय खेल जैसे प्रयत्नों के बल पर जनजातीय प्रतिभाओं को प्रशिक्षण और प्रोत्साहन मिल रहा है। मुझे याद है कि मेरे विद्यार्थी जीवन के दौरान ग्रामीण स्तर पर, पांच-छह गांवों के लोग मिलकर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित किया करते थे। कुछ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्थाएं भी जनजातीय क्षेत्रों में खेल-कूद को बढ़ावा देती रही हैं। प्राय: ग्रामीण क्षेत्र की प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले अच्छे खिलाड़ी भी ग्रामीण स्तर से ऊपर नहीं उठ पाते थे। पिछले कुछ वर्षों में, इस स्थिति को बदलने के अनेक सराहनीय प्रयास किए गए हैं। ऐसे प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026' का आयोजन किया गया। इस आयोजन से जमीनी स्तर के जनजातीय खिलाड़ियों को भी पहचान मिली है तथा उन्हें सुविधाएं और प्रशिक्षण उपलब्ध कराए गए हैं। इन राष्ट्रीय खेलों में लगभग सभी राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। भारत ने खिलाड़ियों की नैसर्गिक प्रतिभा के बल पर ओलिम्पिक खेलों में पहला स्वर्ण-पदक, हॉकी के लिए, वर्ष 1928 में जीता था। उस विजय में जनजातीय समुदाय के खिलाड़ियों की महत्वपूर्ण भूमिका थी। तब से लेकर आज तक दिलीप तिर्की, सुबोध लाक्रा और सलीमा टेटे जैसे स्टार-हॉकी खिलाड़ी भारत की पुरुष तथा महिला टीमों को जनजातीय प्रतिभा से समृद्ध करते रहे हैं। भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'खेलो इंडिया' नामक राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम के तहत स्थानीय स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सभी भौगोलिक क्षेत्रों, सामाजिक वर्गों और संस्थाओं के लिए समुचित खेल इको-सिस्टम उपलब्ध कराने का समावेशी प्रयास किया जा रहा है। इसी कार्यक्रम के तहत, खेल-कूद में बेटियों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए चलाई जा रही 'अस्मिता' नामक योजना से जनजातीय बेटियों की क्षमता भी विकसित हो रही है। 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026' द्वारा शुरू की गई मुहिम को मजबूत बनाते हुए जनजातीय खेल-प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने से, खिलाड़ियों के ऐसे समूह तैयार होंगे जो विश्व-पटल पर भारत को खेल-महाशक्ति के रूप में स्थापित करेंगे।

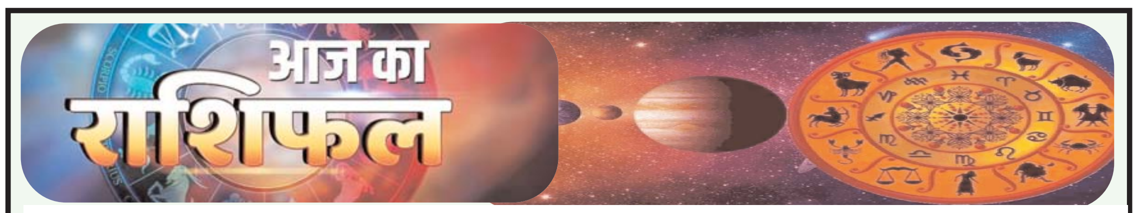

मेष राशि:आज आपका दिन बेहतर रहेगा। करियर के मामले में आप अपनी क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां ले सकते हैं। हालांकि, उनको पूरा करने की भी आप पूरी कोशिश करेंगे। छात्रों की मेहनत आज रंग लाएगी, उन्हें आज बहुप्रतीक्षित परीक्षा परिणाम में सफलता प्राप्त होगी।

वृषभ राशि:आज आपका दिन आपके लिए राहत पूर्ण रहने वाला है। आपके पारिवारिक जीवन में उत्साह का माहौल रहेगा। इस राशि के कम्प्यूटर की शॉप चलाने वाले लोगों के लिये दिन अत्यन्त महत्वपूर्ण रहने वाला है आपको किसी बड़ी कंपनी से अच्छा ऑर्डर मिल सकता है। छात्रों को अपनी किसी प्रतिभा के लिए पुरस्कार मिल सकता है।

मिथुन राशि:आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप घरेलू चीजों को खरीदने के लिये मार्केट जा सकते हैं। आपके बच्चे आपको हर तरह से सपोर्ट करेंगे। महिलाओं के लिये दिन बेहतरीन रहेगा। आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त हो सकते हैं। माता-पिता का आशीर्वाद आपको मंजिल तक पहुंचाने में मदद करेगा। अगर आप राजनीति के क्षेत्र में हैं तो आप सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

कर्क राशि:आज आपका दिन ठीक ठाक रहेगा। ऑफिस में किसी से भी व्यर्थ की बहस करने से बचने का प्रयास करें। आपको अपने गुस्से पर भी कंट्रोल रखना होगा। गुस्से में आपका काम बिगड़ सकता है। किसी प्रॉपर्टी में निवेश करने की सोच रहे हैं तो किसी जानकार की सलाह जरूर ले लें। कलाक्षेत्र से जुड़े लोगों के लिये दिन बढ़िया रहेगा।

सिंह राशि:आज किसी खास व्यक्ति से आपकी उम्मीदें बढ़ी हुई रहेंगी और वह व्यक्ति आपकी उम्मीदों कहर उतरेगा। किसी तरह के वाद विवाद में फसने से बचने का प्रयास करें। साथ ही जो भी काम करें अपने दम पर करें, खुद पर भरोसा रखें सफलता अवश्य मिलेगी। आज किसी से मदद लेने से बचें। छात्रों के लिये दिन सामान्य रहेगा पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ेगी।

कन्या राशि:आज आपकी ऊर्जा का स्तर बेहतर रहेगा। आपका काम कम समय में पूरा हो जाएगा। आपके काम से लोग प्रभावित होंगे और आपकी कार्यकुशलता सराहनीय रहेगी। समाज में आपका मान सम्मान बढ़ेगा, परिवार में भी सब लोग आपके पक्ष में रहेंगे। आप किसी रिश्तेदार के यहां फंक्शन में जा सकते हैं। विवाहित लोगों की जिंदगी में सब कुछ अच्छा रहेगा।

तुला राशि:आज आपका मन लेखन कार्यों में रहेगा। आप किसी पुरानी अधूरी रचना को फिर से पूरा कर सकते हैं, इससे आपको मानसिक सुकून मिलेगा। कॉलेज में किसी काम के लिये पुरस्कार दिया जाएगा। आप आगे की पढ़ाई के लिये पूरी मेहनत करेंगे आपका विदेश जाने का सपना पूरा होगा।

वृश्चिक राशि:आज आपका दिन शानदार रहेगा। पहले से बनाई हुई योजनाओं के पूर्ण होने के योग बन रहे हैं। आप किसी नए काम शुरू करने के बारे में सोच सकते हैं। परिवार में सबके साथ आपके रिश्ते अच्छे बने रहेंगे। स्टूडेंट्स अपना प्रोजेक्ट पूरा करने के लिये किसी मित्र से सहयोग मांग सकते हैं। ऑफिस में स्थिति ठीक बनी रहेगी।

धनु राशि:आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। बिजनेस के मामले में आपको किसी नजदीकी दोस्त से मदद मिलेगी। आपका मन प्रसन्न रहेगा। नव विवाहित किसी ट्रिप का प्लान बनाएंगे। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। छात्र किसी प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। आपको सफलता भी मिलेगी। अगर आप जॉब करने के बारे में सोच रहे हैं तो ये समय बेहतर है। आप किसी अच्छी जगह पर अप्लाई कर सकते हैं।

मकर राशि:आज मेहनत से किये हुए काम पूरा होने की उम्मीद है, जिससे आपको काफी राहत मिल सकती है, लेकिन आपको समय के प्रति थोड़ी सावधानी बरतनी चाहिए। किसी कार्य में अधिक समय लगाने से दूसरे काम अधूरे रह सकते हैं। आप किसी से मदद मांगने में ना हिचकें। सबके साथ अच्छा व्यवहार बनाये रखें। पार्टनरशिप में बिजनेस कर रहे हैं तो अपने पार्टनर से किसी जरूरी मुद्दे पर बात कर सकते हैं।

कुंभ राशि:आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आप किसी नए रिश्ते की शुरुआत कर सकते हैं, दिन अच्छा रहेगा। आपको काम के बेहतरीन मौके मिलेंगे। जो लोग जॉब कर रहे हैं उन्हें किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर मिल सकते हैं। ज्वैलरी का व्यापार कर रहे लोगों को फायदा होगा।

मीन राशि:आज आपकी किस्मत आपका साथ देगी। आपके सारे काम आसानी से पूरे होते दिखेंगे। अपने भविष्य के लिए योजना बना सकते हैं। काम के प्रति सोच विचार में दोस्तों का भी सहयोग मिल सकता है। आज आपकी इच्छा पूरी हो सकती है। इस राशि के बिजनेसमैन कुछ बड़े लोगों से मिल सकते हैं आपकी मुलाकात सफल रहेगी। जीवनसाथी के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। छोटे बच्चे अपने दोस्तों के साथ खेलने में बिजी रह सकते हैं।

भारतीय शासन व्यवस्था की पटकथा फिर से लिख रहा है मिशन कर्मयोगी

डॉ जितेंद्र सिंह

कल्पना करें कि राजस्थान के दूरदराज के किसी कोने में जिला कलेक्टर को एक ऐसी महत्वाकांक्षी कल्याण योजना की जिम्मेदारी सौंपी जाती है जिसके बारे में उसकी जानकारी बहुत कम है। एक दशक पहले उसे जानकारी के लिए कहीं धूल खा रही किसी नियमावली का सहारा लेना होता। या फिर वह अपने किसी वरिष्ठ सहयोगी की तीन बैठकों और लंच के बाद खाली होने का इंतजार करता। उसकी उम्मीद उस प्रशिक्षण कार्यक्रम पर भी टिकी हो सकती थी जो शायद एक या दो साल में कभी आता। लेकिन आज वह अपने फोन के जरिए आईगॉट (इंटिग्रेटेड गर्वनमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग प्लेटफॉर्म) पर लॉग ऑन करता है। उसे मिनटों में ही अपनी जरूरत के अनुरूप एक सुव्यवस्थित कार्यकुशलता आधारित पाठ्यक्रम मिल जाता है। वह शाम तक सूचनाओं और आत्मविश्वास से लैस होकर योजना के लाभार्थियों की पहली बैठक की अध्यक्षता कर रहा होता है। यह बदलाव देखने में छोटा लग सकता है मगर हकीकत में किसी क्रांति से कम नहीं है।

चमक-दमक से दूर धैर्य के साथ पांच साल पहले शुरू किया गया मिशन कर्मयोगी एक क्रांति ला रहा है। यह नए भारत के लिए एक नई तरह के प्रशासनिक अधिकारी तैयार करने के उद्देश्य से चुपचाप काम कर रहा है।

इसके महत्व को समझने के लिए हमें पहले संदर्भ को जानना होगा। 2047 तक विकसित भारत के प्रधानमंत्री के निर्धारित लक्ष्य तक यूं ही नहीं पहुंचा जा सकता। इस मंजिल तक पहुंचने के लिए हमें भारत गणतंत्र को चलाने वाली संस्थाओं और व्यक्तियों के जरिए सावधानी से एक-एक कदम आगे बढ़ना होगा। इस यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण पूंजी, प्रौद्योगिकी या नीति नहीं है। सबसे ज्यादा अहमियत उन लगभग 3.5 करोड़ प्रशिक्षित, उत्साही और नागरिक केंद्रित सरकारी कर्मियों की क्षमता की है जो हर सुबह उठ कर भारतीय शासन को संचालित करते हैं।

स्वतंत्र भारत के इतिहास में ज्यादातर समय क्षमता निर्माण का मॉडल सांयोगिक रहा है। किसी नौजवान अधिकारी को सेवा की शुरुआत के समय औपचारिक प्रशिक्षण दिया जाता था। फिर करियर के बीच में यदा-कदा उसे कुछ पाठ्यक्रमों में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता था। बाकी, उसे काम करते हुए और दूसरों को देख कर ही सीखना होता था। एक स्थिर और धीमी गति से आगे बढ़ते विश्व में यह काफी था। लेकिन कृत्रिम मेधा, जलवायु अवरोध, जनसांख्यिकीय दबाव और जबर्दस्त प्रौद्योगिकीय परिवर्तन के युग में यह सरासर नाकाफी है। प्रशासन के सामने चुनौतियां जिस रफ्तार से आती हैं उसके सामने प्रशिक्षण की पुरानी प्रणालियों की गति कहीं नहीं टिकती।

मिशन कर्मयोगी को इसी बेमेल स्थिति के समाधान के रूप में की गई थी। 2021 में शुरू किया गया यह मिशन—जिसे उसी वर्ष अप्रैल में स्थापित क्षमता निर्माण आयोग द्वारा संस्थागत रूप से संचालित किया गया, एक सचमुच महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए आगे बढ़ा। भारतीय सिविल सेवाओं की सीखने की संस्कृति को, समय-समय पर होने वाली और केवल नियमों के पालन तक सीमित प्रक्रिया से बदलकर, एक निरंतर चलने वाली, भूमिका-आधारित और स्वयं-निर्देशित विकास यात्रा में रूपांतरित करना इसका मकसद है।

जैसा कि आयोग इसका वर्णन करता है, यह बदलाव कर्मचारी—यानी नियमों का पालन करने वाले एक पदाधिकारी से कर्मयोगी बनने की ओर है: एक ऐसा लोक सेवक जो किसी उद्देश्य, सेवा-भाव और उत्कृष्टता से प्रेरित हो।पाँच वर्षों के बाद, ये आंकड़े अत्यंत शिक्षाप्रद हैं। 'आईगॉट' (इंटीग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग) प्लेटफॉर्म पर अब 1.5 करोड़ से अधिक सरकारी अधिकारी सक्रिय शिक्षार्थी के रूप में जुड़े हैं — यह एक ऐसी संख्या है जो शुरुआत के समय काल्पनिक लगती थी। 4,600 से अधिक योग्यता-आधारित पाठ्यक्रमों के माध्यम से, इन अधिकारियों ने 8.3 करोड़ से अधिक पाठ्यक्रम पूरे किए हैं।

(चिंतन-मनन) द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो।

जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वत: समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर।

संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कमर में दर्द शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक ठाक है तो मन अशान्त हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा होती हैं, उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका समाधान करो। तुम तो बस उन पर ध्यान न दो, बस जीवन्त रहो

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जन विश्वास विधेयक, 2026 के पारित होने का स्वागत किया

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने संसद में जन विश्वास विधेयक, 2026 के पारित होने का स्वागत किया है।एक्स पर एक पोस्ट में अमित शाह ने कहा, संसद में जन विश्वास विधेयक 2026 का पारित होना भारत में आसान जीवन और आसान व्यापार को गति देने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। अनेक कानूनी प्रावधानों को कम करके यह विधेयक मोदी जी के नए भारत के सपने को साकार कर रहा है, जिससे आम लोगों का जीवन आसान और व्यवसाय करना सरल हो जाएगा।

खामोश करवाया गया हूं, हारा नहीं हूं, आम आदमी पार्टी के नाम राघव चड्ढा का संदेश, लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी ही पार्टी पर गंभीर आरोप लगाते हुए बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें जनता से जुड़े मुद्दे उठाने से रोका जा रहा है। हाल ही में पार्टी द्वारा उन्हें राज्यसभा में उपनेता (डिप्टी लीडर) पद से हटाए जाने के बाद यह बयान और भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राघव चड्ढा पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं और उनका कार्यकाल 2022 से 2028 तक है। उन्होंने अपने संदेश में कहा, खामोश करवाया गया हूं, हारा नहीं हूं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन वह आम आदमी के मुद्दों के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में चड्ढा ने बताया कि उन्होंने हमेशा आम जनता से जुड़े मुद्दों को संसद में प्रमुखता से उठाया है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि एयरपोर्ट पर महंगे खाने का मुद्दा हो, या फिर ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जैसे स्विग्गी और जोमैटो के डिलीवरी कर्मचारियों से जुड़ी समस्याएं- इन सभी विषयों को उन्होंने गंभीरता से उठाया। इसके अलावा बैंकिंग सेक्टर में आ रही दिक्कतें और टोल प्लाजा पर आम लोगों को हो रही परेशानियों को भी उन्होंने संसद में बार-बार उठाया।

राघव चड्ढा का आरोप है कि अब उनकी ही पार्टी उन्हें इन मुद्दों को उठाने से रोक रही है। उन्होंने कहा कि यह समझ से परे है कि आम आदमी के नाम पर राजनीति करने वाली पार्टी आखिर क्यों जनता की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। उनका यह भी दावा है कि पार्टी की ओर से संसद में निर्देश दिए गए हैं कि उन्हें सवाल उठाने का मौका न दिया जाए और बोलने से रोका जाए।

डिवोर्स के बाद पति की हैवानियत, एक्स वाइफ को बाइक में फंसाकर घसीटा, चीखें सुनकर दौड़े लोग

बहराइच,(आरएनएस)। यूपी के बहराइच जिले में एक व्यक्ति को अपनी तलाकशुदा पत्नी को बाइक से बांधकर सड़क पर घसीटते हुए उसकी हत्या का प्रयास के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना नानपारा कोतवाली क्षेत्र में हुई, जिसमें महिला और आरोपी दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रामगांव क्षेत्र के मुसल्लमपुर गांव निवासी रहीस ने करीब एक साल पहले नानपारा निवासी रेशमा से शादी की थी लेकिन आपसी विवाद के कारण दोनों का जनवरी में तलाक हो गया, जिसके बाद महिला अपने मायके में रह रही थी। रहीस बुधवार को नानपारा आया था और लक्ष्मणपुर मतेही गांव के पास घर लौट रही अपनी तलाकशुदा पत्नी से उसका आमना-सामना हुआ। इस दौरान दोनों के बीच कहासुनी हुई, जो जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई।

देवरिया में निर्माणाधीन कॉम्प्लेक्स की दीवार ढही, दो मजदूरों की मौत

देवरिया(आरएनएस)। शहर के तहसील रोड पर नगर पालिका कार्यालय के बगल में निर्माणाधीन कॉप्लेक्स की दीवार शुक्रवार की दोपहर ढह गई। मलबे में दबकर करीब आधा दर्जन मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जबकि दो मजदूरों की मृत्यु की सूचना सामने आ रही है।

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग बड़ी संख्या में जुट गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल मेडिकल कालेज अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद ठीकेदार मौके से फरार हो गया। वहीं घटना के काफी देर बाद तक पुलिस और प्रशासन के मौके पर न पहुंचने से लोगों में नाराजगी देखी गई। मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है।

पुडुचेरी में प्रधानमंत्री मोदी ने किया रोडशो, हुआ भव्य स्वागत, भाजपा कार्यकर्ताओं ने लगाए नारे

पुडुचेरी,(ए.)। विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल को गरमाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पुडुचेरी में रोडशो किया। इस दौरान शहर की सड़कों पर भारी भीड़ उमड़ी और भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'भारत माता की जय' तथा 'जय श्री राम' के नारों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने रोडशो की शुरुआत अजंता सिग्नल पॉइंट के पास से की। उनके साथ सीएम एन रंगास्वामी और गृहमंत्री ए नमासिवयम भी मौजूद रहे। यह रोडशो लगभग दो किलोमीटर से कुछ कम दूरी तय करते हुए कामराजर स्टैच्यू/राजा थिएटर सिग्नल के पास जाकर समाप्त हुआ। रोडशो के दौरान पूरे मार्ग को सजाया गया था और जगह-जगह सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा पारंपरिक नृत्य प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया, जिससे माहौल उत्साहपूर्ण और रंगारंग बन गया। बड़ी संख्या में लोग सड़कों के किनारे खड़े होकर प्रधानमंत्री का अभिवादन करते नजर आए।

आगामी 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इस रोडशो को भाजपा के लिए शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला, जो चुनावी माहौल को और तेज करने का संकेत देता है।

भारत पहुंची इजरायल की सबसे घातक मशीन गन, खासियतें जान कांप उठेंगे विरोधी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय सेना की ताकत में अब कई गुना इजाफा होने जा रहा है। दुश्मनों के छक्के छुड़ाने के लिए इजरायली हथियार कंपनी इजरायल वेपन्स इंडस्ट्रीज ने भारत को अपनी सबसे घातक और हल्की मशीन गन (LMG) की पहली खेप सौंप दी है। यह ऐतिहासिक रक्षा डील 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के जरिए पूरी की जा रही है। पिछले ही वीकेंड 2000 'नेगेव' (NEGEV 7.62म51) लाइट मशीन गन की पहली खेप भारत की धरती पर पहुंच चुकी है। खास बात यह है कि इन अत्याधुनिक हथियारों की डिलीवरी पीएलआर सिस्टम्स (PLR Systems) के जरिए हुई है, जो इजरायल वेपन्स इंडस्ट्रीज और भारत के अडानी ग्रुप का एक जॉइंट वेंचर है। यह भारत की पहली ऐसी निजी कंपनी बन गई है जो छोटे हथियारों और गोला-बारूद का निर्माण कर रही है।

इजरायल की नेगेव 7.62म51 दुनिया की सबसे हल्की और मारक लाइट मशीन गन में से एक मानी जाती है, जिसका इस्तेमाल खुद इजरायली डिफेंस फोर्सेज (IDF) करती है। इसका हल्का वजन और 7.62 मिमी का गोला-बारूद इसे इतना खतरनाक बनाता है कि यह पलक झपकते ही दुश्मनों की मजबूत दीवारों और कंक्रीट के बंकरों को भी आसानी से भेद सकती है। शहरी इलाकों में होने वाली जंग और बेहद महत्वपूर्ण मिशनों के लिए इसे अचूक माना जाता है। यह गन सेमी-ऑटोमैटिक और फुली ऑटोमैटिक, दोनों मोड्स में आग उगल सकती है। इसे सिर्फ हाथों में ही नहीं, बल्कि भारतीय थल सेना के बख्तरबंद वाहनों, वायुसेना के हेलीकॉप्टरों और नौसेना के प्लेटफॉर्म पर भी आसानी से फिट किया जा सकता है। कम रोशनी या अंधेरे में सटीक निशाना लगाने के लिए इसमें पिकाटिनी रेल्स और ट्रिटियम नाइट साइट्स जैसी अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है।

रात में मछुआरे का काम करने वाले अब्दुल फताह की छलांग ने लक्षद्वीप एथलेटिक्स के लिए एक नया अध्याय लिखा

रायपुर,(आरएनएस)। अब्दुल फताह ज़्यादातर रातों को समुद्र में होते हैं, जहां वे मछुआरे बनकर अपने परिवार की रोज़ी-रोटी कमाने में मदद करते हैं। जैसे ही सुबह होती है, वे सीधे ट्रेनिंग ग्राउंड की ओर निकल पड़ते हैं और एक एक अलग सपने का पीछा करते हुए लक्षद्वीप को खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में पहला मेडल दिलाया। कवरत्ती और कदमत द्वीपों के बीच स्थित, दूरदराज के अमीनी द्वीप जो लगभग 2.7 किमी लंबा और 1.2 किमी चौड़ा है, और जिसका कुल भू-क्षेत्रफल 2.60 वर्ग किमी है के 18 वर्षीय लॉन्ग जम्पर ने जगदलपुर के क्रीड़ा परिसर मैदान में 7.03 मीटर की अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। यह इस छोटे से केंद्र शासित प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था। केंद्र शासित प्रदेश के खेल अधिकारी अहमद जावेद हसन ने मुस्कुराते हुए कहा, वह लक्षद्वीप के पहले ऐसे एथलीट हैं जिन्होंने 7 मीटर की दूरी पार की है और यह वाकई एक खास बात है। मछुआरे परिवार में जन्मे फताह भाई-बहनों में सबसे बड़े हैं और घर की बड़ी ज़िम्मेदारी संभालते हैं। 12वीं कक्षा पूरी करने के बाद, आर्थिक तंगी के कारण उन्हें अपनी पढ़ाई बीच में ही रोकनी पड़ी।

बीजेपी विधायक ओमप्रकाश सखलेचा अपने परिवार के साथ नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले।

ईरान जंग के बीच उर्वरक और रसायन उद्योग को सरकार ने दी बड़ी राहत, पेट्रोकेमिकल प्रोडक्टस पर कस्टम ड्यूटी में दी छूट

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्र सरकार ने उर्वरक और रसायन उद्योग को बड़ी राहत देते हुए अमोनियम नाइट्रेट सहित कई महत्वपूर्ण कच्चे माल पर सीमा शुल्क (कस्टम ड्यूटी) में छूट देने का ऐलान किया है। यह छूट 2 अप्रैल से 30 जून तक लागू रहेगी। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, करीब 40 पेट्रो-रसायन कच्चे माल और मध्यवर्ती उत्पादों के आयात पर सीमा शुल्क को शून्य कर दिया गया है। इसमें अमोनियम नाइट्रेट, मेथनॉल, फिनॉल, पॉलीविनाइल क्लोराइड (पीवीसी) और पॉलीप्रोपाइलीन जैसे अहम रसायन शामिल हैं।

सरकार का कहना है कि यह फैसला जनहित में लिया गया है, ताकि वैश्विक स्तर पर चल रहे संघर्ष और आपूर्ति संकट के बीच उद्योगों को लागत के दबाव से राहत मिल सके। इस निर्णय से खासतौर पर उर्वरक कंपनियों को बड़ा फायदा होने की उम्मीद है, क्योंकि अमोनियम नाइट्रेट जैसे रसायन खाद निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे उत्पादन लागत घटेगी और आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव कम होगा।

इसके अलावा, अमोनियम नाइट्रेट पर लगने वाले कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर को भी हटा दिया गया है, जिससे उर्वरक क्षेत्र को अतिरिक्त लाभ मिलेगा। कुल मिलाकर, यह कदम उद्योग के लिए लागत राहत पैकेज के रूप में देखा जा रहा है। सरकार के इस फैसले से कच्चा माल सस्ता होने की संभावना है, जिससे उत्पादन लागत कम होगी, आपूर्ति में सुधार आएगा और महंगाई को नियंत्रित करने में भी मदद मिल सकती है।

जिन रसायनों को छूट में शामिल किया गया है, उनमें बुनियादी औद्योगिक रसायन जैसे मेथनॉल, एसीटिक अम्ल, फिनॉल, टोल्युइन और अमोनिया शामिल हैं, जिनका उपयोग लगभग हर रसायन उद्योग में होता है। पेट्रो-रसायन और प्लास्टिक कच्चे माल पर भी शुल्क हटाया गया है, जिनका उपयोग पैकेजिंग, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और उपभोक्ता वस्तु क्षेत्रों में किया जाता है। उच्च स्तरीय अभियांत्रिकी सामग्री का उपयोग एयरोस्पेस, रक्षा, चिकित्सा उपकरण और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में होता है।

इसके अलावा, इन रसायनों का उपयोग पीवीसी पाइप, पेंट, कोटिंग और इन्सुलेशन सामग्री के निर्माण में भी किया जाता है। ऑटोमोबाइल उद्योग में प्लास्टिक पुर्जे और सीट फोम बनाने में भी इनका व्यापक उपयोग होता है। फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में भी इन रसायनों की अहम भूमिका है, जिससे दवाइयों के उत्पादन में निरंतरता बनी रहेगी। अमोनियम नाइट्रेट पर शुल्क हटाने से खाद की उपलब्धता सुनिश्चित होगी और उसकी कीमतों को स्थिर बनाए रखने में मदद मिलेगी। साथ ही, उर्वरक और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आपूर्ति श्रृंखला सुचारु बनी रहेगी।

राप्ती नदी में डूबे चार किशोरों के शव मिले, किनारे पर चार साइकिल और कपड़े पड़े थे; दो दिन चला तलाशी अभियान

गोरखपुर ,(आरएनएस)। गोरखपुर के खोराबार थाना इलाके के मिर्जापुर घाट स्थित पीपा पुल के पास राप्ती नदी में नहाने गए तीन अन्य किशोरों का शव शुक्रवार को बरामद कर लिया गया। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की चार टीमें लगातार नदी में सर्च अभियान चला रही थीं। किशोरों का मिलते ही घर में कोहराम मच गया, परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, कैंट थाना क्षेत्र के रानीडीहा शिवमंदिर टोला निवासी अमन उर्फ बीरू राजभर (15), मालवीय नगर निवासी विवेक निषाद (15), जंगल सिकरी निवासी गगन पासवान (15) और रानीडीहा निवासी अनिकेत यादव (13) अपने साथी राजकरन उर्फ टाइमपास के साथ बुधवार दोपहर करीब 3:30 बजे साइकिल से मिर्जापुर घाट पहुंचे थे। पांचों किशोर पीपा पुल के पास राप्ती नदी में नहाने लगे। इसी दौरान चार गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे, जबकि राजकरन किसी तरह अपनी जान बचाकर बाहर निकल आया।

क्या सीबीएसई क्वेश्चन पेपर का क्यूआर कोड स्कैन करने पर खुल रहा है गलत लिंक? बोर्ड ने खुद बताई इसके पीछे की पूरी सच्चाई

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन की परीक्षाओं के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। क्वेश्चन पेपर पर छपे क्यूआर कोड को लेकर इंटरनेट और सोशल मीडिया पर कई तरह की भ्रामक जानकारियां तेजी से फैल रही थीं। इन अफवाहों पर पूरी तरह से विराम लगाते हुए अब बोर्ड ने गुरुवार को एक बेहद अहम एडवाइजरी जारी की है। इस आधिकारिक एडवाइजरी में बोर्ड ने साफ कर दिया है कि इन कोड्स का असली काम क्या है और परीक्षा के दौरान इन्हें पेपर पर क्यों प्रिंट किया गया है।

इंटरनेट लिंक नहीं, बल्कि इंटरनल सिस्टम का है हिस्सा

कई लोगों के बीच यह अफवाह थी कि यह कोड कोई इंटरनेट हाइपरलिंक है, जिसे स्कैन करने पर कोई खास वेबसाइट खुलेगी। हालांकि, सीबीएसई ने अपनी एडवाइजरी में स्पष्ट किया है कि ये क्यूआर कोड सीधे तौर पर इंटरनेट से जुड़ने के लिए बिल्कुल नहीं बनाए गए हैं। बोर्ड के मुताबिक, ये कोड ऑथेंटिकेशन, पेपर की ट्रैकिंग और परीक्षा की

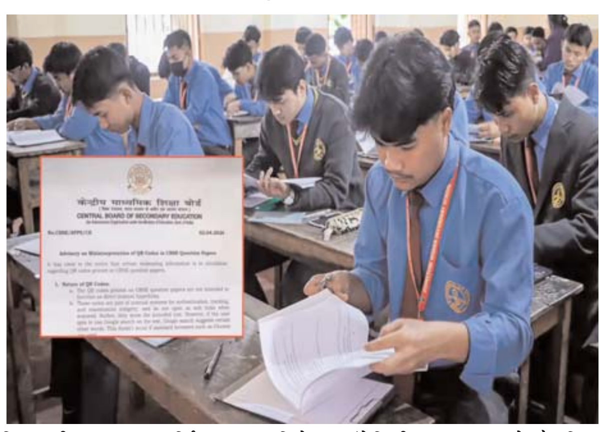

विश्वसनीयता व पारदर्शिता (एग्जामिनेशन इंटेग्रिटी) बनाए रखने के लिए इंटरनल सिस्टम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। जब कोई व्यक्ति इन्हें स्कैन करता है, तो यह किसी वेब लिंक के रूप में नहीं खुलता है, बल्कि यह सिर्फ वही टेक्स्ट दिखाता है जो इसके अंदर एनकोड किया गया है।

गूगल सर्च को लेकर बोर्ड ने दी ये जरूरी जानकारी

इसके साथ ही बोर्ड ने स्कैनिंग के दौरान आने वाली तकनीकी परेशानी को भी विस्तार से समझाया है। सीबीएसई का कहना है कि जब कोई यूजर स्कैन किए गए टेक्स्ट पर सीधे गूगल सर्च का इस्तेमाल करता है, तो कई बार गूगल सर्च इंजन उस टेक्स्ट से मिलते-जुलते कुछ दूसरे शब्द या परिणाम दिखाने लगता है। इसी वजह से लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। हालांकि, बोर्ड ने यह भी साफ कर दिया है कि गूगल क्रोम (Google Chrome) जैसे किसी भी स्टैंडर्ड वेब ब्राउजर पर कोड का इस्तेमाल करने पर ऐसा बिल्कुल नहीं होता है। बोर्ड ने सभी छात्रों और अभिभावकों को सलाह दी है कि वे बिना वजह पैनिक न करें और सोशल मीडिया पर फैल रही ऐसी गुमराह करने वाली बातों पर ध्यान न दें।

अमृतसर में आप सरपंच पर बीच सड़क पर फायरिंग, हमलावरों ने घेरी गाड़ी; सरेआम चलाई गोलियां

अमृतसर,(आरएनएस)। पंजाब के अमृतसर जिले के जंडियाला गुरु इलाके में दिनदहाड़े फायरिंग की सनसनीखेज घटना सामने आई है। अज्ञात हमलावरों ने एक इनोवा कार को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ गोलियां

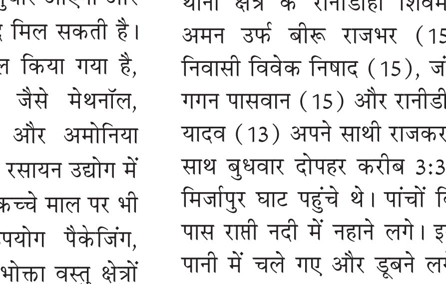

चलाईं। कार में कुल 5 लोग सवार थे, जिनमें गांव का सरपंच भी शामिल था, जो आम आदमी पार्टी से जुड़ा बताया जा रहा है।

घटना वेरोवाल रोड पर उस समय हुई जब गांव तिमोवाल के सरपंच सुखदेव सिंह अपनी पत्नी रविंदर कौर और अन्य लोगों के साथ ब्लॉक दफ्तर से लौट रहे थे। तभी 4 मोटरसाइकिलों पर सवार करीब 7 हमलावरों ने चलती गाड़ी को घेरकर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। हमले के दौरान कार के शीशे टूट गए और गाड़ी पर कई जगह गोलियों के निशान मिले हैं। मौके से पुलिस ने गोलियों के करीब चार खोल बरामद किए हैं। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से इलाके में दहशत का माहौल बन गया है।

सरपंच सुखदेव सिंह ने आरोप लगाया है कि यह हमला पुरानी रंजिश और स्थानीय राजनीति का नतीजा है। उन्होंने कुछ संदिग्ध लोगों के नाम भी लिए हैं और दावा किया है कि असामाजिक तत्वों के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी गई है। डीएसपी समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया। सरपंच ने बताया कि उन्होंने एसएसपी से बात की है, जिन्होंने सुरक्षा बढ़ाने का आश्वासन दिया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है और जल्द गिरफ्तारी का दावा कर रही है।

उसे एक और बेटी नहीं चाहिए थी', स्विमिंग पूल में गर्भवती पत्नी और 2 मासूम बच्चियों की दर्दनाक मौत, हादसे के पीछे साजिश?

वारंगल ,,(आरएनएस)। तेलंगाना के वारंगल से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। यहां एक गर्भवती महिला और उसकी दो मासूम बेटियों की अपने ही स्विमिंग पूल में डूबने से संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतकों की पहचान 26 वर्षीय फरहत और उनकी दो बेटियों, 8 वर्षीय उमेरा और 6 वर्षीय आयशा के रूप में हुई है। परिवार वारंगल-खम्मम राष्ट्रीय राजमार्ग के पास एक स्विमिंग पूल चलाता था, जो पर्यटकों को किराए पर दिया जाता था और यही उनकी आय का मुख्य जरिया था। बुधवार रात परिवार के अन्य सदस्यों की मौजूदगी में इसी पूल में डूबने से तीनों की जान चली गई, जिसे शुरुआत में महज एक हादसा बताया जा रहा था, लेकिन अब इस मामले में एक बेहद खौफनाक मोड़ आ गया है।

पिता ने लगाया हत्या का सनसनीखेज आरोप

हादसे के बाद फरहत के पति अजहरुद्दीन ने पुलिस को बताया कि यह सिर्फ एक दुर्घटना थी जिसमें उसकी पत्नी और बेटियां पूल में फिसलने के कारण डूब गईं। हालांकि, मृतका के पिता अली ने इस थ्योरी को सिरे से खारिज करते हुए पुलिस में चौंकाने वाली शिकायत दर्ज कराई है। पिता का सीधा आरोप है कि अजहरुद्दीन एक और बेटी पैदा नहीं करना चाहता था और लगातार फरहत पर गर्भपात कराने का दबाव बना रहा था। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच पिछले कुछ दिनों से भयंकर विवाद चल रहा था। फरहत के पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी भारी मानसिक दबाव में थी और उन्हें पूरा यकीन है कि यह कोई सामान्य दुर्घटना नहीं बल्कि एक सोची-समझी साजिश है।

सीसीटीवी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से उठेगा पर्दा

इस सनसनीखेज शिकायत के बाद पुलिस तुरंत हरकत में आ गई है और सभी एंगल से मामले की गहन जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया है और स्विमिंग पूल के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को कब्जे में ले लिया है ताकि हादसे की असली वजह सामने आ सके। तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम अस्पताल भेज दिया गया है। मामले की जानकारी देते हुए एसआई श्रीनिवास ने बताया कि मृतका के पिता की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया गया है और पति अजहरुद्दीन से कड़ी पूछताछ की जा रही है। पुलिस किसी भी तरह की साजिश की आशंका से इनकार नहीं कर रही है और अब पोस्टमार्टम व फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। इस दर्दनाक घटना के बाद पुन्नेलू गांव में शोक और तनाव का माहौल है, जिसे देखते हुए एहतियात के तौर पर इलाके में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

ये नया सफर जरूर धमाल मचाएगा, मंगल-देश की बेटी के लिए दीपिका सिंह को फैंस ने दी बधाई

भारतीय टेलीविजन की दुनिया में कई शो होते हैं जो दर्शकों के दिल में अपनी खास जगह बना लेते हैं। ऐसे ही शो में से एक है मंगल लक्ष्मी, जो अब अपने नए अध्याय मंगल-देश की बेटी के साथ दर्शकों के सामने आ रहा है। इस नई कहानी में मुख्य किरदार मंगल नई जिम्मेदारियों और चुनौतियों का सामना करती हैं। अभिनेत्री दीपिका सिंह ने इस नई यात्रा को लेकर इंस्टाग्राम पर एक भावपूर्ण पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपनी खुशी, उत्साह और टीम के प्रति आभार जताया। दीपिका ने अपने पोस्ट में लिखा कि वह इस नए चैप्टर को लेकर पूरी तरह से अभिभूत और उत्साहित हैं। उन्होंने दर्शकों को बताया कि इस कहानी में मंगल को देश की सेवा का अवसर मिलता है और वह खुद को विशेष महसूस करती हैं।दीपिका ने अपने कैप्शन में लिखा, मंगल-देश की बेटी के इस नए सफर को निभाने के लिए मैं बेहद खुश, रोमांचित और उत्साहित हूं।

उन्होंने अपने पोस्ट में टीम का भी धन्यवाद किया। दीपिका ने कहा कि पिछले 700 एपिसोड्स के दौरान पूरी टीम ने लगातार मेहनत और समर्पण दिखाया। उन्होंने बताया कि दर्शकों का समर्थन ही उनकी इस सफलता की सबसे बड़ी वजह है। उन्होंने अपने फैंस से हर एपिसोड देखने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वे सोमवार से शुक्रवार रात 8:30 बजे इस शो का आनंद लेते रहेंगे।दीपिका के इस पोस्ट पर कई लोगों ने कमेंट्स किया।एक ने लिखा, दीपिका जी, आपका नया किरदार देखकर बहुत खुश हूं! मंगल का यह रूप बहुत प्रेरणादायक लग रहा है।दूसरे फैंस ने लिखा, आपकी मेहनत और एनर्जी सच में कमाल की हैं!अन्य ने लिखा, शो देखने के लिए अब और भी उत्साहित हो गए हैं, ये नया सफर जरूर धमाल मचाएगा।, आपकी एक्टिंग हमेशा दिल को छूती है। मंगल लक्ष्मी कन्नड़ टीवी सीरीज भाग्यलक्ष्मी का आधिकारिक रूपांतरण है। इस शो में दीपिका के अलावा सनिका अमित, नमन शॉ और शुभम दीक्षा मुख्य कलाकार हैं। इस कहानी में मंगल अपनी बहन लक्ष्मी के लिए सही जीवनसाथी खोजती हैं।

सुबह सही तो सब सही, सामंथा रूथ प्रभु ने शेयर किया अपना पावर मॉर्निंग रूटीन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग फिटनेस, स्किन और मानसिक शांति के लिए कई तरीके अपनाते हैं, लेकिन अक्सर छोटी-छोटी आदतों को नजरअंदाज कर देते हैं। इसको लेकर अब अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने अपनी पावर मॉर्निंग रूटीन साझा की है। उन्होंने बताया कि कैसे सही तरीके से दिन की शुरुआत करने से न सिर्फ शरीर बल्कि दिमाग पर भी सकारात्मक असर पड़ता है। सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि उन्होंने कई तरह की मॉर्निंग रूटीन आजमाई हैं, लेकिन आखिरकार उन्हें एक ऐसा आसान तरीका मिला जो उनके लिए सबसे ज्यादा असरदार साबित हुआ।

उन्होंने इसे पावर मॉर्निंग नाम दिया। सामंथा ने कहा, अगर सुबह सही तरीके से शुरू होती है, तो पूरा दिन सबकुछ सही होता है। ऊर्जा अपने आप बेहतर हो जाती है।वीडियो में सामंथा ने कहती है, कई बार लोग सब कुछ सही करने के बावजूद भी पेट की चर्बी कम नहीं कर पाते, स्किन की समस्याएं बनी रहती हैं या सुबह उठते समय चेहरा सूजा हुआ लगता है। इसकी एक बड़ी वजह गलत मॉर्निंग रूटीन हो सकती है। इसलिए लोगों को अपनी सुबह की आदतों पर ध्यान देना जरूरी है।सामंथा ने खासतौर पर स्ट्रेस हार्मोन कॉर्टिसोल के बारे में बात की। उन्होंने कहा, सुबह उठते ही शरीर में कॉर्टिसोल का स्तर ज्यादा होता है, जो सामान्य है। लेकिन अगर हम उठते ही फोन, न्यूज या काम देखने लगते हैं, तो यह स्ट्रेस और बढ़ जाता है। इससे दिनभर ध्यान कम रहता है।

अपनी रूटीन को विस्तार से बताते हुए सामंथा ने सबसे पहला नियम बताया कि उठने के बाद एक घंटे तक फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

इसके बाद कुछ मिनट शांति में बैठकर गहरी सांस लेनी चाहिए। इससे दिमाग को संकेत मिलता है कि आप सुरक्षित हैं, जिससे शरीर बेहतर तरीके से काम करता है और हेल्थ पर अच्छा असर पड़ता है। इसके अलावा, उन्होंने कहा, उठने के 10 मिनट के अंदर चेहरे पर धूप लेना फायदेमंद होता है। साथ ही एक हेल्दी ड्रिंक और संतुलित नाश्ता ब्लड शुगर को कंट्रोल रखता है। इस वीडियो के कैप्शन में सामंथा ने लिखा, इस रूटीन को बनाने में मुझे कई साल लगे, लेकिन इसका असर मेरी जिंदगी पर गहराई से पड़ा है। आप 21 दिनों तक इस रूटीन को लगातार अपनाएं। शुरुआत में थोड़ी मुश्किल हो सकती है, लेकिन अगर आप इसे जारी रखते हैं तो आप खुद महसूस करेंगे कि आप अपनी जिंदगी को कितना बदल सकते हैं।

फिल्म आखिरी सवाल का टीजर जारी, आरएसएस के 100 साल का इतिहास लेकर आए संजय दत्त

एक ऐसी फिल्म जो उन सवालों को पूछने की हिम्मत करती है, जिसने एक सदी से भी ज्यादा समय से देश और यहां के युवाओं को उलझा रखा है. नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्म मेकर अभिजीत मोहन वारंग के डायरेक्शन में बनी आखिरी सवाल का टीजर रिलीज हो गया है, जिसमें संजय दत्त मुख्य भूमिका में हैं और इसे निखिल नंदा ने प्रोड्यूस किया है.

महात्मा गांधी के निधन के बाद लगाए गए बैन से लेकर बाबरी मस्जिद ढहाने के आरोपों तक, आखिरी सवाल ऐसे गंभीर सवाल उठाती है, जिनके जवाब लोग लंबे समय से ढूंढ रहे हैं. निडर और बेबाक, यह टीजर इतिहास की गहराई में उतरता है और एक ऐसी कहानी पेश करता है जो निश्चित रूप से पूरे देश में एक नई बहस छेड़ देगी.

संजय दत्त के साथ-साथ अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, नीतू चंद्रा और त्रिधा चौधरी जैसे शानदार कलाकारों से सजी आखिरी सवाल उन फिल्मों में से एक है जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. अपनी अनाउंसमेंट के साथ ही हलचल मचाने के बाद, मेकर्स ने हनुमान जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर टीजर रिलीज किया है, और इसने अभी से ही चर्चा बटोरनी शुरू कर दी है.

यह बहुप्रतीक्षित टीजर फिल्म के विषय की एक पावरफुल झलक दिखाता है, जिसका मकसद उस छिपी हुई कहानी की परतों को खोलना है जिसे देश को देखने की जरूरत है. निडर, सीधा और बातचीत के अंदाज वाला यह टीजर एक ऐसी बहस छेड़ता है जिसके फिल्म रिलीज होने पर और भी तेज होने की उम्मीद है. कहानी विक्की की है, जो एक होनहार लेकिन थोड़ा गुस्सैल स्कॉलर है और प्रोग्रेसिव इंडिया का एक महत्वाकांक्षी युवा है.

विक्की अपनी थीसिस रिजेक्ट होने के बाद अपने गुरु प्रोफेसर गोपाल नडकर्णी पर पक्षपात का आरोप लगाता है, जो शुरू में एक निजी एकेडमिक विवाद होता है, वो बाद में नेशनल टेलीविजन पर होने वाली बहस में बदल जाता है. यह फिल्म भारत के युवाओं के मन में उठने वाले सुलगते सवालों उनकी उम्मीदों, शंकाओं और ऐतिहासिक घटनाओं व तथ्यों के जरिए सच की उनकी तलाश को दिखाती है.

ममूटी-मोहनलाल की फिल्म पैट्रियट तय तारीख से आगे खिसकी, अब 1 मई को होगी रिलीज

साल 2008 में आई फिल्म ट्वेंटी:20 के बाद, मलयालम सिनेमा के 2 दिग्गज, ममूटी और मोहनलाल फिल्म पैट्रियट के जरिए 18 साल बाद वापसी कर रहे हैं। यह फिल्म पहले 23 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे आगे खिसका दिया गया है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर आधिकारिक ऐलान के साथ फिल्म की नई रिलीज तारीख बताई है। इससे पहले, एक आधिकारिक बयान के जरिए फिल्म की रिलीज तारीख में बदलाव होने की पुष्टि की गई थी।

मोहनलाल ने पैट्रियट से नया पोस्टर जारी करते हुए बताया है कि फिल्म अब 1 मई को दुनियाभर में रिलीज होगी। इस बदलाव का कारण बताते हुए निर्माताओं ने बयान में कहा था कि वह फिल्म को बेहरतीन गुणवत्ता के साथ सिनेमाघरों में लाने की कोशिश में हैं।

धुरंधर 2 को बॉक्स ऑफिस पर झटका, 14वें दिन किया सबसे कम कारोबार

रणवीर सिंह की जासूसी एक्शन-थ्रिलर फिल्म धुरंधर 2: द रिवेंज 19 मार्च को रिलीज हुई थी। यह दिसंबर, 2025 में आई धुरंधर का सीक्वल है, जिसे फिल्म समीक्षकों और दर्शकों की खूब तारीफें मिली हैं। फिल्म अभी भी बॉक्स ऑफिस पर मजबूती के साथ टिकी है, लेकिन 14वें दिन कमाई में बड़ी गिरावट आई। धुरंधर 2 ने अन्य सभी दिनों के मुकाबले अब तक का सबसे कम कारोबार किया है। चलिए जानते हैं कि इसकी कुल कमाई कहां तक पहुंची।बॉक्स ऑफिस पर 102.55 करोड़ रुपये से खाता खोलने वाली धुरंधर 2 ने एक हफ्ते में 674.17 करोड़ रुपये कमाए थे। सैकनिल्क के मुताबिक, इसने दूसरे हफ्तें में 12वें दिन 25.30 करोड़ रुपये और 13वें दिन 27.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

कान में खुजली आने के ये हो सकते हैं 5 कारण, जानें और इनसे बचें

कान में खुजली एक आम समस्या है, जो किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है। यह समस्या अक्सर हल्की लगती है, लेकिन इसके पीछे कई गंभीर कारण हो सकते हैं। इस लेख में हम आपको कान में खुजली के पांच मुख्य कारणों के बारे में बताएंगे, ताकि आप सही समय पर सही उपचार कर सकें और इस असुविधा से राहत पा सकें। इन कारणों को जानकर आप अपने कानों की बेहतर देखभाल कर सकेंगे।

कान में जमी हुई मैल

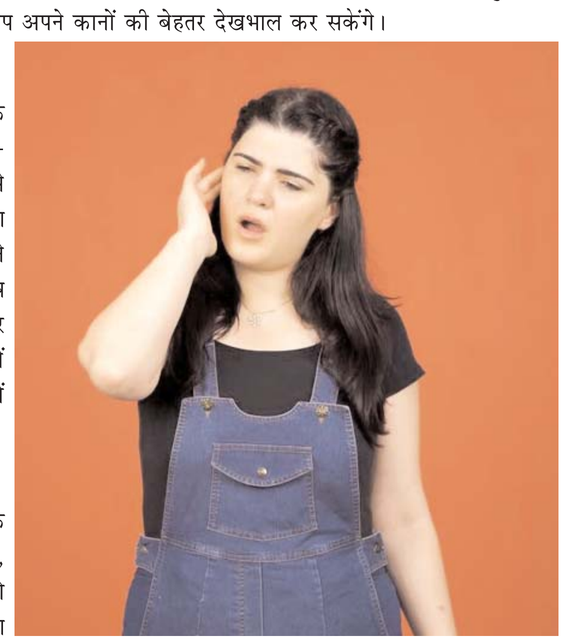

कान में जमी हुई मैल खुजली का एक प्रमुख कारण हो सकता है। यह मैल समय-समय पर इकट्ठा होती रहती है और अगर इसे साफ नहीं किया जाता तो यह खुजली का कारण बन सकती है। मैल को साफ करने के लिए आप कान के लिए बने विशेष उपकरण का उपयोग कर सकते हैं या फिर डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं। ध्यान रखें कि मैल को साफ करते समय हल्के हाथों से करें ताकि कोई चोट न लगे।

एलर्जी

एलर्जी भी कान में खुजली होने का एक कारण हो सकती है। यह एलर्जी धूल, पराग, जानवरों के बाल या किसी अन्य चीज से हो सकती है, जिससे आपका शरीर प्रतिक्रिया करता है। अगर आपको लगता है कि आपकी खुजली एलर्जी के कारण हो रही है तो डॉक्टर से संपर्क करें ताकि सही इलाज मिल सके। डॉक्टर आपको ऐसी दवाइयां या घरेलू उपायों की सलाह दे सकते हैं, जो आपकी एलर्जी को कम करने में मदद करेंगे।

संक्रमण

कान में संक्रमण होना भी खुजली का एक कारण हो सकता है। यह संक्रमण बैक्टीरिया या फंगस के कारण होता है, जो आपके कान में प्रवेश कर जाते हैं और सूजन या जलन पैदा करते हैं। अगर आपको लगातार खुजली महसूस हो रही हो और उसमें सुधार न आ रहा हो तो डॉक्टर से संपर्क करें ताकि सही इलाज मिल सके और संक्रमण से छुटकारा मिल सके।

नमी

कान में नमी भी खुजली का एक कारण हो सकती है, खासकर अगर आप तैराकी करते हैं या बार-बार पानी में रहते हैं। नमी के कारण फंगस पनप सकते हैं, जो खुजली पैदा कर सकते हैं। अपने कानों को सूखा रखने के लिए तैराकी करते समय कान के लिए बने टोपी पहनें और नहाने के बाद उन्हें अच्छी तरह पोंछें। इसके अलावा नमी वाले वातावरण से बचें और समय-समय पर अपने कानों को साफ रखें।

त्वचा की समस्या

कुछ त्वचा समस्याएं जैसे एक्जिमा या सोरायसिस भी कान में खुजली पैदा कर सकते हैं। इन समस्याओं के कारण सूजन, लालिमा और जलन हो सकती है, जिससे खुजली होती है। अगर आपको अपने कान में सूजन या लालिमा महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें ताकि सही उपचार मिल सके और समस्या का समाधान हो सके। इन कारणों को जानकर आप अपने कानों की बेहतर देखभाल कर सकते हैं और समय रहते उचित उपचार प्राप्त कर सकते हैं।

आंखों में एलर्जी? इन 5 घरेलू नुस्खों को आजमाने से मिल सकती है राहत

आंखों में एलर्जी होना एक आम समस्या है, जो किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकती है। यह समस्या धूल, परागकण, जानवरों की फर या कुछ खाद्य पदार्थों से हो सकती है। एलर्जी के कारण आंखों में खुजली, लालिमा और सूजन हो सकती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप इस समस्या से राहत पा सकते हैं।

ठंडे पानी से धोएं आंखें

ठंडा पानी आंखों को ताजगी देता है और सूजन कम करता है। इसके लिए सुबह और शाम दो बार अपनी आंखों को हल्के हाथों से ठंडे पानी से धोएं। इससे आपकी आंखें साफ रहेंगी और एलर्जी के लक्षण भी कम होंगे। ध्यान रखें कि पानी साफ हो और किसी भी तरह के रसायनों से मुक्त हो। इस प्रक्रिया को नियमित रूप से अपनाने से आपको काफी आराम मिलेगा और आपकी आंखों की सेहत भी बेहतर होगी।

खीरे के टुकड़े लगाएं

खीरा एक प्राकृतिक ठंडक देने वाला सब्जी है, जो आंखों की सूजन और जलन को कम करने में मदद करता है। इसके लिए दो पतले खीरे के टुकड़े काटकर फ्रिज में ठंडा करें, फिर इन्हें अपनी बंद आंखों पर 10-15 मिनट तक रखें। यह प्रक्रिया आपकी आंखों को आराम देती है और वे तरोताजा महसूस होंगी। नियमित रूप से ऐसा करने से आपकी आंखों की खूबसूरती बनी रहेगी और एलर्जी के प्रभाव भी कम होंगे।

गुलाब जल का करें इस्तेमाल

गुलाब जल प्राकृतिक रूप से ठंडा और आरामदायक होता है, जो आंखों की जलन को कम करने में मदद करता है। इसके लिए एक साफ कपड़े को गुलाब जल में भिगोकर अपनी आंखों पर हल्के हाथों से मलें। इससे आपकी आंखें ताजगी महसूस करेंगी और एलर्जी के कारण होने वाली जलन भी कम होगी। ध्यान रखें कि गुलाब जल शुद्ध और बिना किसी रसायनों के बने होना चाहिए ताकि इसका प्रभाव बेहतर हो सके।

टी बैग्स का करें उपयोग

टी बैग्स में मौजूद तत्व सूजन कम करने में मदद करते हैं। इसके लिए इस्तेमाल किए गए टी बैग्स को फ्रिज में ठंडा करें और फिर इन्हें अपनी बंद आंखों पर रखें। 10-15 मिनट तक रखने पर आपको काफी आराम मिलेगा। यह प्रक्रिया न केवल सूजन कम करती है बल्कि आंखों को तरोताजा भी बनाती है। नियमित रूप से ऐसा करने से आपकी आंखों की खूबसूरती बनी रहती है और एलर्जी के प्रभाव भी कम होते हैं।

एलोवेरा जेल लगाएं

एलोवेरा जेल में आरामदायक गुण होते हैं, जो आंखों की जलन को कम करने में सहायक होते हैं। इसके लिए ताजे एलोवेरा पत्ते से जेल निकालकर अपनी बंद आंखों पर हल्के हाथों से लगाएं। 10 मिनट बाद पानी से धो लें। यह प्रक्रिया न केवल सूजन कम करती है बल्कि आंखों को तरोताजा भी बनाती है। नियमित रूप से ऐसा करने से आपकी आंखों की खूबसूरती बनी रहती है और एलर्जी के प्रभाव भी कम होते हैं।

पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले में, एक धमाके में क्षतिग्रस्त हुई इमारत के पास लोग जमा हुए। पुलिस ने बताया कि गुरुवार रात पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक पुलिस थाने के पास हुए धमाके में कम से कम पांच आम नागरिक मारे गए और दो पुलिसकर्मियों सहित कई अन्य घायल हो गए।

ईरान जंग में शांतिदूत बनने चले पाकिस्तान पर भड़का UAE, रातों-रात 2 अरब डॉलर का कर्ज लौटाने का दे डाला अल्टीमेटम

इस्लामाबाद (ए.)। आर्थिक बदहाली से जूझ रहे और हमेशा कर्ज के सहारे चलने वाले पाकिस्तान को संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने एक ऐसा तगड़ा झटका दिया है, जिससे उसकी रातों की नींद उड़ गई है। दुनिया भर में कर्ज का कटोरा लेकर घूमने वाला पाकिस्तान इन दिनों मध्य पूर्व में शांतिदूत बनने की कोशिश कर रहा है और चाहता है कि ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच चल रही जंग जल्द से जल्द रुक जाए। लेकिन पाकिस्तान की यह कूटनीतिक चाल UAE को बिल्कुल रास नहीं आ रही है। ईरान पर ट्रंप प्रशासन के कड़े एक्शन का समर्थन कर रहे UAE ने पाकिस्तान पर दबाव बनाते हुए अपना दो बिलियन डॉलर का पुराना कर्ज तुरंत वापस मांग लिया है। UAE ने पाकिस्तान को सख्त अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि वह 17 अप्रैल तक पूरी रकम हर हाल में चुका दे।दरअसल, 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमला करने के बाद से ही मध्य पूर्व जंग की आग में जल रहा है। हिजबुल्लाह और हूती जैसे गुट भी इस जंग में पूरी तरह सक्रिय हो गए हैं। एक तरफ जहां पाकिस्तान शांति के लिए मिस्र और तुर्की जैसे देशों के साथ बातचीत की कोशिश कर रहा है, वहीं UAE का साफ मानना है कि ईरान की 'दादागिरी' खत्म करने के लिए ट्रंप प्रशासन के बड़े हमले जारी रहने चाहिए। पाकिस्तान के इस शांति राग से खफा होकर UAE ने अपना पैसा वापस मांगा है। बता दें कि साल 2018 में UAE ने पाकिस्तान को दो बिलियन डॉलर का लोन दिया था। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के अनुसार, UAE ने इस कर्ज पर ब्याज दर को 3 फीसदी से बढ़ाकर सीधा 6.5 फीसदी कर दिया था और अब ईरान जंग के बीच इसे तुरंत लौटाने का भारी आर्थिक दबाव बना दिया है।

शांति का ठेका लेने में फेल हुआ पाक, पुतिन ने मारी एंट्री

अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता कराने का जो सपना पाकिस्तान

देख रहा था, वह अब पूरी तरह से टूटता नजर आ रहा है। सीजफायर कराने की कोशिशों में पाकिस्तान के बुरी तरह फेल होने के बाद अब इस हाई-प्रोफाइल मामले में रूस ने जोरदार एंट्री मार ली है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने खुद इस शांति समझौते की कमान अपने हाथों में ले ली है। पुतिन के प्रेस सचिव दमित्री पेस्कोव ने स्पष्ट कर दिया है कि मध्य पूर्व में शांति स्थापित करने के लिए रूस हर संभव कदम उठाएगा। खुद राष्ट्रपति पुतिन एक्टिव मोड में आ गए हैं और इस सीजफायर प्लान पर तेजी से काम कर रहे हैं।रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान दरअसल अमेरिका के इशारे पर ही शांति समझौते की कोशिशों में लगा हुआ था। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस ने हाल ही में पाकिस्तान के मध्यस्थों से ईरान संघर्ष के बारे में खास बातचीत की थी। सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सख्त निर्देश पर ही जेडी वेंस ने यह संकेत दिया था कि अमेरिका सीजफायर के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए कुछ बड़ी शर्तें माननी होंगी। इन अहम शर्तों में व्यापार के लिए 'स्ट्रेट ऑफ

डोनाल्ड ट्रंप की नई धमकी, अब ईरान के पुलों और बिजली संयंत्रों को निशाना बनाया जाएगा

वाशिंगटन,(आरएनएस) अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में ईरान पर 2 से 3 हफ्तों में हमले तेज करने की चेतावनी के बाद शुक्रवार को नई धमकी दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर ईरान को धमकी देते हुए कहा कि ईरान में अब पुलों और बिजली संयंत्रों को निशाना बनाया जाएगा। उन्होंने लिखा कि ईरान के नए शासन को पता है कि उन्हें क्या काम करना है।

ट्रंप ने ट्रुथ पर लिखा, दुनिया की सबसे महान, सबसे शक्तिशाली और अब तक की सबसे ज़्यादा सैनिकों वाली हमारी सेना ने तो ईरान में जो कुछ बचा है, उसे तबाह करना अभी शुरू भी नहीं किया है। अब बारी है पुलों की, और उसके बाद बिजली संयंत्रों की! नए शासन के नेतृत्व को पता है कि क्या करना है, और यह काम तेज़ी से करना है! नई चेतावनी से ट्रंप जल्द से जल्द समझौते का दबाव बना रहे हैं।

ट्रंप ने अपने संबोधन में संकेत दिया था कि युद्ध अब समाप्ति की ओर है और ईरान कोई समझौता नहीं करत तो हमले तेज होंगे। इससे पहले अमेरिका और इजरायल ने हमले में ईरान में पश्चिम एशिया के सबसे ऊंचे प्रतिष्ठित बी1 पुल को नष्ट कर दिया था, जिसका वीडियो ट्रंप ने साझा किया था। यह निर्माणाधीन पुल तेहरान को पश्चिमी शहर कराज से जोड़ने वाला था, जो 1,050 मीटर लंबा और 136 मीटर ऊंचे स्तंभ पर बना था।

ट्रंप ने अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी को बर्खास्त किया, क्या एपस्टीन फाइल्स बना कारण ?

वाशिंगटन(आरएनएस),। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिमी एशिया में संघर्ष के बीच पाम बोंडी को अटॉर्नी जनरल के पद से गुरुवार को बर्खास्त कर दिया। ट्रंप ने उनकी जगह उप-अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच को कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल के रूप में कार्यभार सौंपा है। ट्रंप एजेंडे की मुखर समर्थक रहीं बोंडी की बर्खास्तगी को लेकर कई संभावित कारण सामने आए हैं, जिसमें आंतरिक तनाव, राजनीतिक दबाव और हाई-प्रोफाइल मुद्दों पर असहमति प्रमुख है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन इस पर चुप है।

ट्रंप ने ट्रुथ पर बोंडी को वफादार दोस्त बताते हुए लिखा कि उन्होंने पिछले एक साल से निष्ठा से सेवा की और अपराधों पर नकेल कसी, जिससे हत्याओं की दर 1990 के बाद अब तक के निचले स्तर पर है। ट्रंप ने लिखा कि बोंडी अब निजी क्षेत्र में एक बेहद जरूरी और अहम नई जिम्मेदारी संभालने जा रही हैं, जिसकी घोषणा जल्द ही किसी तारीख को की जाएगी। इसी पोस्ट में ट्रंप ने ब्लैंच की नियुक्ति की घोषणा की।

रिपोर्ट के मुताबिक, बोंडी के कार्यकाल में सबसे बड़ी चुनौती यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़ी फाइलों को लेकर था, जिसे संभालने के तरीके से ट्रंप नाराज थे। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप मामले में उनके राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ पर्याप्त जांच या मुकदमा न चलाने के कारण बोंडी से खफा थे। न्याय विभाग में संबंधित दस्तावेजों और निर्णयों के प्रबंधन को लेकर सवाल उठाए गए, जिससे बॉन्डी पर दबाव बढ़ता चला गया।रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप के करीबियों का मानना था कि इस मामले पर बोंडी के बयानों ने इस धारणा को बल दिया कि ट्रंप प्रशासन अनुचित रूप से जनता की नजरों से सामग्री छिपा रहा था। बोंडी ने फरवरी में कहा था कि एपस्टीन के ग्राहकों की सूची समीक्षा के लिए उनकी मेज पर है, जबकि बाद में न्याय विभाग ने कहा कि ऐसी कोई सूची नहीं है। बोंडी ने भी बाद में अपना बयान सुधारा था।रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप का बोंडी पर विश्वास कम हो रहा था और वे पर्दे के पीछे कई हफ्तों से सलाहकारों से निजी तौर पर बोंडी को लेकर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने संकेत दिया था कि बोंडी का कार्यकाल लंबा नहीं है। रिपब्लिकन पार्टी, मेक अमेरिका ग्रेट अगेन समर्थकों और उनके सहयोगियों से बोंडी को प्रमुख कानूनी और राजनीतिक मामलों को संभालने के तरीके पर असंतोष झेलना पड़ रहा था।

अमेरिका ने दवाओं पर लगाया 100 प्रतिशत टैरिफ, स्टील-एल्यूमिनियम आयात के नियम भी सख्त किए

वाशिंगटन(ए.)। ईरान युद्ध के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक और विवादित कदम उठाया है। उन्होंने अमेरिका में आयातित ब्रांडेड दवाओं पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। साथ ही उन्होंने स्टील और एल्यूमिनियम जैसी धातुओं के आयात से जुड़े नियम भी सख्त कर दिए हैं। ट्रंप ने इन दोनों फैसलों से जुड़े कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। भारत समेत कई देशों पर इनका असर होगा।

नए आदेश के तहत, 31 जुलाई, 2026 से अमेरिका में आयात होने वाली पेटेंटेड ब्रांडेड दवाओं पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया जाएगा। ये टैरिफ उन दवाओं पर लगेगा, जो अमेरिका में नहीं बनती हैं और इन्हें बनाने वाली कंपनियों का अमेरिका के साथ कोई समझौता नहीं है। इसका उद्देश्य अमेरिका में दवाओं की आसमान छूती कीमतों को कम करना और देश के भीतर ही दवा उत्पादन को बढ़ावा देना है।

ट्रंप प्रशासन का कहना है कि टैरिफ से बचने के लिए कंपनियों को दवाओं का उत्पादन अमेरिका में करना होगा या सरकार के साथ खास समझौता करना होगा।

खेल समाचार

आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स में मुकाबला

शाम 07:30 बजे से शुरू होगा मैच

अहमदाबाद (ए)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार शाम को गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेंगी। गुजरात की कप्तानी जहां शुभमन गिल के पास है। वहीं रॉयल्स की कमान युवा रियान पराग संभालेंगे। इस सत्र में गुजरान की टीम को जहां अपने पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं रॉयल्स ने अपना पहले ही मैच जीता था। ऐसे में जहां गुजरात सत्र की पहले जीत दर्ज करने उतरेगी। वहीं राजस्थान अपनी जीत के सिलसिले को बरकरार रखना चाहेगी। इन दोनों ही टीमों के बीच पिछले आईपीएल सीजन दो मुकाबले हुए थे जिसमें से एक गुजरात ने जबकि एक राजस्थान ने जीता था। इनके बीच अंतिम मुकाबला जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला गया था जिसमें राजस्थान रॉयल्स की टीम ने जीत हासिल की थी।

वहीं यहां के मैदान की बात करें तो इसपर बड़े स्कोर बनते हैं और पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम लाभ में रहती है। यहां पिछले पांच में से

तीन मुकाबले पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो ही टीमों ने अबतक कुल 8 मैच खेले हैं। जिसमें से गुजरात टाइटंस ने 6 जबकि राजस्थान ने 2 मैच जीते हैं।

गुजरात टाइटंस की बात करें तो टीम की बल्लेबजा कप्तान शुभमन के अलावा साईं सुदर्शन, जोस बटलर राहुल तेवतिया जैसे बल्लेबाजों पर निर्भर करेगी।

वहीं गेंदबाजी की कमान प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा राशिद खान, कगिसो रबाडा के पास रहेगी। टीम के पास वाशिंग्टन सुंदर जैसा ऑलराउंडर भी है। वहीं अगर राजस्थान रॉयल्स टीम की बात करें तो उसके पास कप्तान रियान के अलावा यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी के पास रहेगी। वैभव ने पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी की थी और ये सिलसिला वह इस मैच में भी बनाये रखना चाहेंगे। वहीं गेंदबाजी की जिम्मेदारी जोफ्रा आर्चर संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई के पास रहेगी।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

गुजरात टाइटंस = शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, वाशिंग्टन सुंदर, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

राजस्थान रॉयल्स = रयान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई, बृजेश शर्मा।

अजिंक्य रहाणे आईपीएल में 200 मैच खेलने वाले 11वें खिलाड़ी बने, जानिए उनके आंकड़े

नईदिल्ली,(ए.) । अनुभवी बल्लेबाजी अजिंक्य रहाणे ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उपलब्धि हासिल की है। दरअसल, वह इस लीग में 200 मैच खेलने वाले खिलाड़ी बने हैं। उन्होंने ईडन गार्डन स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी करते हुए यह मुकाम हासिल किया। रहाणे उन गिने-चुने मौजूदा खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने आईपीएल का पहला सीजन खेला था। वह आईपीएल इतिहास में 5,000 से अधिक रन बना चुके हैं।

रहाणे ने आईपीएल के पहले संस्करण में मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने अपने 200 आईपीएल मैच खेलने तक कुल 6 टीमों से हिस्सा लिया है। उनसे पहले महेंद्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा, विराट कोहली, दिनेश कार्तिक, रविंद्र जडेजा, शिखर धवन, आर अश्विन, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा और अंबाती रायडू 200 से अधिक मैच खेल चुके हैं। धोनी 278 मैचों के रिकॉर्ड के साथ इस सूची में सबसे ऊपर हैं।

रहाणे ने आईपीएल में अब तक 200 मुकाबले खेले हैं और इसकी 184 पारियों में 30.71 की औसत और 125.43 की स्ट्राइक रेट से 5,099 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 2 शतक और 34 अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 105* रन रहा है। रहाणे ने अपने आईपीएल करियर में 517 चौके और 128 छक्के भी लगाए हैं। उन्होंने अपना पहला मुकाबला साल 2008 में खेला था। आईपीएल 2025 में रहाणे कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा बने थे।

नवी मुंबई में बनेगा भारत का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम, 1 लाख होगी क्षमता

मुंबई, (ए)। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन नवी मुंबई में एक लाख दर्शकों की क्षमता वाला नया क्रिकेट स्टेडियम बनाने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। एमसीए के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने हाल ही में नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के प्रबंध निदेशक विजय सिंघल से मुलाकात की, जो इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के लिए उपयुक्त जमीन तलाशने के प्रयासों का हिस्सा हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, नाइक ने बताया कि 1 लाख क्षमता वाले स्टेडियम का विचार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रखा था। उन्होंने कहा, कुछ महीने पहले माननीय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यह विचार व्यक्त किया था कि मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को एक लाख दर्शकों की क्षमता वाला स्टेडियम बनाने का प्रयास करना चाहिए। नाइक जल्द ही फडणवीस से मुलाकात करेंगे, ताकि इस परियोजना पर चर्चा कर इसे आगे बढ़ाया जा सके।नाइक ने आगे कहा कि इस क्षमता का विश्वस्तरीय स्टेडियम बनाने के लिए नवी मुंबई सबसे उपयुक्त स्थान है। नाइक ने कहा, नवी मुंबई एक उभरता हुआ और तेजी से विकसित हो रहा क्षेत्र है, जहां बेहतरीन कनेक्टिविटी और एयरपोर्ट के नजदीक होने का फायदा है। इस क्षमता का विश्वस्तरीय स्टेडियम बनाने के लिए यह एकदम उपयुक्त स्थान है।

IPL 2026: LSG के मालिक संजीव गोयनका पर भड़के ललित मोदी, BCCI से की ये मांग

नई दिल्ली (ए)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी एक बार फिर चर्चा में हैं। ललित मोदी ने आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मालिक संजीव गोयनका के खिलाफ विवादित टिप्पणी की है और बीसीसीआई से टीम को बैन करने की मांग की है।ललित मोदी ने एक्स पर लिखा, मैंने आपसे कहा था कि लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मालिक संजीव गोयनका पूरी तरह से लूजर और सबसे बड़ा जोकर है। मैं उसके बर्ताव से सच में शर्मिंदा हूं। मैंने आईपीएल को फैंस और खिलाड़ियों दोनों के लिए बनाया था, न कि हर बार, हर साल ऐसा होने के लिए।उन्होंने लिखा, अगर मैं अभी भी चेयरमैन और कमिश्नर होता, तो मैं उसे तुरंत बैन कर देता और टीम की ओनरशिप हमेशा के लिए छीन लेता। वह पूरी तरह से घमंडी जोकर है। इसी मुद्दे के लिए फ्रेंचाइजी अनुबंध में एक क्लॉज है। बीसीसीआई इसे लागू करे—ईमानदारी सबसे ऊपर रहे। सत्ता में बैठे लोगों की चापलूसी करना उसे बचने का तरीका नहीं है। फैंस और खिलाड़ी दोनों इसे याद रखेंगे। दरअसल, एलएसजी और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच 1 अप्रैल को इकाना स्टेडियम में हुए मैच में एलएसजी को हार का सामना करना पड़ा था। मैच के बाद संजीव गोयनका को पंत के साथ बातचीत करते हुए देखा गया था। इस घटना को फैंस और आलोचक गोयनका और केएल राहुल के बीच आईपीएल 2024 में हुई घटना से जोड़ कर देख रहे हैं। गोयनका को सोशल मीडिया पर संजीव गोयनका से जुड़े मीम्स वायरल हो रहे हैं।इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा था कि

टूर्नामेंट में एक गेम हुआ है। इसकी कोई जरूरत नहीं है। हालांकि ऋषभ पंत और संजीव गोयनका के बीच क्या बात हुई, यह स्पष्ट नहीं है।एलएसजी ने एक वीडियो पोस्ट करते हुए संजीव गोयनका और ऋषभ पंत के बीच सबकुछ ठीक होने का स्पष्टीकरण दिया था। वीडियो के कैप्शन में लिखा था कि आप जो कुछ भी देख रहे हैं वह सच नहीं है। यहां मैच के बाद की अनफिल्टर्ड वाइब्स हैं, जब कैमरे कट नहीं करते।मैच के बाद संजीव गोयनका ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा था, यह एक लंबा सीजन है, और ऐसे पल कुछ मतलब का बनाने का हिस्सा होते हैं। मुझे अपने कप्तान और टीम पर पूरा भरोसा है कि वे मजबूती से वापसी करेंगे। हमारे फैंस, इकाना में आपके समर्थन के लिए धन्यवाद। हम और मजबूत होकर वापस आएंगे। इस सीजन में लखनऊ की कहानी अभी लिखी नहीं गई है।

जिम्बाब्वे दौरे पर इस साल वनडे सीरीज में खेलेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम, कार्यक्रम की हुई घोषणा

नईदिल्ली (ए.)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम इस साल सितंबर में वनडे सीरीज के लिए जिम्बाब्वे का दौरा करने के लिए तैयार है। कार्यक्रम के मुताबिक, ये मैच 15, 18 और 20 सितंबर को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। दिलचस्प रूप से एक दशक लम्बे अंतराल के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम जिम्बाब्वे की धरती पर वनडे सीरीज खेलती हुई नजर आएगी। ऐसे में यह जिम्बाब्वे क्रिकेट के लिए अच्छी खबर है।

यह 8 साल के अंतराल के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम जिम्बाब्वे की धरती पर अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलेगी। जिम्बाब्वे में ऑस्ट्रेलिया का आखिरी वनडे मुकाबला 2014 में हुआ था, जबकि उन्होंने 2018 में पाकिस्तान के खिलाफ एक त्रिकोणीय टी-20 सीरीज खेली थी। ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे हाल ही में फरवरी में 2026 में टी-20 विश्व कप में आमने-सामने हुई थीं, जिसमें जिम्बाब्वे ने कोलंबो में कंगारू टीम को 23 रनों से हराया था।

जिम्बाब्वे क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर, गिवमोर माकोनी ने ऑस्ट्रेलिया के जिम्बाब्वे लौटने पर अपनी खुशी जाहिर की। इसको लेकर उन्होंने कहा, हमें ऑस्ट्रेलिया का जिम्बाब्वे में फिर से स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। यह एक बहुत ही रोमांचक वनडे सीरीज होने वाली है। माकोनी ने आगामी वनडे विश्व कप 2027 की तैयारी के लिए इस तरह के बड़े मैचों के महत्व पर जोर दिया।

आईपीएल 2026: अंगकृष रघुवंशी ने लगाया लगातार दूसरा अर्धशतक, जानिए उनके आंकड़े

नईदिल्ली(ए.) । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 65 रन से करारी शिकस्त मिली। जीत के लिए मिले 227 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स ने सभी विकेट खोकर 161 रन बनाए। कोलकाता नाइट राइडर्स की इस हार में अंगकृष रघुवंशी का अर्धशतक देखने को मिला। यह मौजूदा सीजन में रघुवंशी का लगातार दूसरा अर्धशतक रहा। आइए उनकी पारी पर एक नजर डालते हैं।

लक्ष्य का पीछा करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स ने जब 30 रन के स्कोर पर अपना पहला विकेट खोया, तब रघुवंशी क्रीज पर आए। उन्होंने बल्लेबाजी के लिए मददगार नजर आ रही पिच पर कुछ आकर्षक शॉट लगाए। इस युवा बल्लेबाज ने 27 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उम्दा लय में नजर आ रहे

रघुवंशी 29 गेंदों में 52 रन बनाकर रन आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 6 चौके और 2 छक्के भी लगाए।

रघुवंशी ने अपना पहला आईपीएल मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ साल 2024 में खेला था। उन्होंने अब तक 24 मुकाबले खेले हैं और इसकी 20 पारियों में 2 बार नाबाद रहते हुए 31.44 की औसत से 566 रन बनाने में सफल रहे हैं। उनकी स्ट्राइक रेट 149.73 की रही है। उन्होंने 4 अर्धशतक जड़े हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 54 रन रहा है। टी-20 क्रिकेट में इस खिलाड़ी ने 35 पारियों में 800 से अधिक रन बनाए हैं।

सांसद माया नारोलिया ने दिल्ली में भरी विकास की हुंकार

केंद्रीय मंत्रियों से भेंट कर रखी क्षेत्र की विकास योजनाएं

नर्मदापुरम के औद्योगिक और बुनियादी ढांचे के कायाकल्प हेतु सांसद नारोलिया सक्रिय, रेल और सड़क कनेक्टिविटी पर दिया जोर

नई दिल्ली/नर्मदापुरम (निप्र)। राज्यसभा सांसद माया नारोलिया जी ने वर्तमान संसद सत्र के दौरान नई दिल्ली में विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों के शीर्ष नेतृत्व से भेंट कर नर्मदापुरम संभाग सहित संपूर्ण मध्य प्रदेश के लोक-कल्याणकारी विषयों और जन-आकांक्षाओं को प्रमुखता से प्रस्तुत किया। विकास के प्रति अपनी कटिबद्धता दोहराते हुए सांसद नारोलिया ने सड़क, रेल और औद्योगिक विकास के त्रिकोणीय मॉडल पर विस्तार से चर्चा की। सांसद नारोलिया ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री माननीय नितिन गडकरी जी से भेंट कर नर्मदापुरम-टिमरनी-हरदा-खंडवा मार्ग के सुदृढ़ीकरण और इसे राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) का दर्जा प्रदान करने का प्रबल आग्रह किया। उन्होंने तर्क दिया कि इस मार्ग के उन्नयन से न केवल अंतर-राज्यीय व्यापार को गति मिलेगी, बल्कि धार्मिक पर्यटन के दृष्टिकोण से भी यह मार्ग मील का पत्थर साबित होगा। सफर को सुगम बनाने की दिशा में उन्होंने केंद्रीय रेल मंत्री से भेंट कर जनसामान्य की चिरप्रतीक्षित मांगों को उनके समक्ष रखा। उन्होंने क्षेत्रीय रेलवे स्टेशनों पर प्रमुख ट्रेनों के ठहराव (Stoppage) और रेल इंफ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण हेतु अपने बहुमूल्य सुझाव प्रेषित किए, ताकि यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्राप्त हो सकें।नर्मदापुरम में स्वरोजगार और आर्थिक समृद्धि के द्वार खोलने हेतु सांसद नारोलिया ने केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी से सार्थक संवाद किया। इस भेंट के दौरान उन्होंने नर्मदापुरम क्षेत्र में भारी उद्योगों की स्थापना की संभावनाओं और इस्पात क्षेत्र में निवेश को लेकर विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। सांसद के इन प्रयासों से क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होने की प्रबल आशा जगी है। इन समस्त मुलाकातों में केंद्रीय मंत्रियों का रुख सकारात्मक रहा और उन्होंने प्रदेश के विकास हेतु पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

जगजाहिर हैं दादा माखन और भवानी

यह कोई छोटी नहीं बडी है कहानी।
देश भक्त थे नर्मदांचल के खानदाानी।
जगजाहिर हैं दादा माखन और भवानी।
साहित्यकारों में नहीं है उनका कोई सानी।
देश को आजाद करने की जिन्होने ठानी।
राष्ट्रहित में ही लगा दी पूरी जिन्दगानी।
अंग्रेजों को भगाने में खपा दी जवानी।
नहीं चलने दी विदेशियों की मनमानी।
कलम से याद दिलादी उनको उनकी नानी।
खादी की भेषभूषा थी उनकी पहचानी।
आकर्षक थी दोनों की लेखनी और बानी।
कविता सुनाकर करते थे सबको पानी पानी।
सन्नाटा कविता के पात्र थे राजा और रानी।
पुष्प की अभिलाषा में भाव था बागवानी।
करके चले गए नाम, मौत सबकी है आनी जानी।
दोनों की आत्मा को शांति दे मां कल्यानी।
सुनी आपने 16 लाइन की दादाओं की कहानी।

+बलराम शर्मा+

ललिता आश्रम में आज मनाई जाएगी भवानी दादा और माखन दादा की जयंती

नर्मदापुरम (निप्र)। शिवसंकल्प साहित्य परिषद के द्वारा नर्मदांचल के प्रसिद्ध साहित्यकार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राष्ट्रकवि द्वय भवानी प्रसाद मिश्र व माखन लाल चतुर्वेदी की जयंती मनाई जाएगी। वरिष्ठ साहित्यकार पं गिरिमोहन गुरू ने बताया कि पंचवटी परिसर के पास ललिता आश्रम में सायं 4 बजे भवानी दादा और माखन दादा की जयंती के उपलक्ष्य में संगोष्ठी एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर विशेष रूप से आचार्य पं अजय दुबे व शहर के साहित्यकार कविगण शामिल रहेंगे। श्री गुरू ने सभी साहित्यकारों से कार्यक्रम में समय पर पहुंचने का आग्रह किया है।

विद्या मंदिर निमसाडिया का कक्षा 8वीं 5वीं का परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत रहा

विद्या मंदिर निमसाडिया के अध्यक्ष पं भवानी शंकर शर्मा ने विद्यार्थियों को दी शुभकामनाएं

नर्मदापुरम (निप्र)। विद्या मंदिर निमसाडिया के अध्यक्ष पं भवानी शंकर शर्मा एवं सभी सदस्यों ने कक्षा आठवीं एवं पांचवी का परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत आने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्या मंदिर की प्राचार्य एवं सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं व बधाई दी। उल्लेखनीय है कि विद्या मंदिर निमसाडिया की एमपी बोर्ड 2025-26 में कक्षा पांचवी आठवी बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम दर्ज कर एक बार फिर अपनी शैक्षणिक श्रेष्ठता सिद्ध की है। यह उपलब्धि विद्यालय परिवार के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण एवं प्रेरणादायक है। कक्षा पांचवी में कुल 21 एवं कक्षा आठवी में कुल 20 विद्यार्थी सम्मिलित हुए जिनमें सभी विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। कक्षा आठवी में कविता कीर ने 90.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया है। वहीं कक्षा पांचवी की छात्रा सौम्या पाल ने 83.75 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। विद्या मंदिर विद्यालय निमसाडिया की प्राचार्य श्रीमती नीतू चौरे ने इस उत्कृष्ट सफलता पर सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी है। ज्ञातव्य है कि विद्या मंदिर विद्यालय निमसाडिया स्थापना शर्मा परिवार के पूर्वजों द्वारा की गई है। अपनी स्थापना से लेकर वर्तमान तक विद्या मंदिर ने कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। नगर के बड़े बडे स्कूल जहां हजारों रूपये फीस आदि लेकर भी इतना अच्छा परिणाम नहीं आता वहीं विद्या मंदिर द्वारा बिना किसी खर्च के उत्कृष्ट पढाई की जा रही है। जिसका परिणाम वर्ष 2025-26 के परीक्षा परिणाम से स्पष्ट परिलक्षित हो रहा है।

माता महाकाली दरबार में आकर नगरीय निकाय आयुक्त संकेत भोंडवे हुए भावुक

समिति ने चुनरी उड़ाकर किया सम्मान, पुरानी यादों को किया स्मरण

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रशासनिक अधिकारी यदि उल्लेखनीय कार्य करते हैं तो नागरिक उन्हें कभी नहीं भूलते हैं। ऐसा ही क्षण तब आया जब मप्र शासन के नगरीय निकाय कमिश्नर संकेत भोंड़वे सतरस्ता स्थित माता महाकाली दरबार में शुक्रवार को सायंकाल के समय आए तो उन्होंने उस स्थान को देखा जहां पहले माता महाकाली का मंदिर था। उसके बाद नवीन मंदिर की स्थापना होने के बाद माता महाकाली की प्रतिमा स्थापित हुई है। उन्होंने मां को प्रणाम किया। तथा कुछ समय तक भावुक हो गए। तदोपरांत माता महाकाली समिति के अध्यक्ष प्रकाश शिवहरे व अन्य पदाधिकारियों व सदस्यों ने उनका माता की चुनरी उड़ाकर सम्मान किया। इस दौरान कलेक्टर सोनिया मीना, एडीएम, एसडीएम,तहसीलदार व सीएमओ सहित प्रशासनिक अमला मौजूद रहा उनका भी समिति द्वारा सम्मान किया गया। ज्ञातव्य है कि वर्ष 2013 के लगभग जब संकेत भोंडवे कलेक्टर थे। तब उनके ही सद्प्रयास से मंदिर का स्थान परिवर्तित हुआ था। उनके सहयोग से ही जगह आवंटित हुई थी। मंदिर में पुनः आगमन होने तथा इस स्थान से उनके विशेष लगाव के चलते समिति द्वारा साधुवाद दिया गया।

अहमदपुर ब्लाक कांग्रेस ने किया सरकार के विरुद्ध प्रदर्शन, जलाया पुतला

सीहोर (निप्र)। सरकार द्वारा गेहूं खरीदी की अंतिम तारीख बार-बार बढ़ाए जाने से अब किसानों में आक्रोष बड़ता जा रहा है। नाराज़ किसानों के समर्थन में सीहोर जिला मुख्यालय के अहमदपुर (देवीपुरा) में ब्लाक अध्यक्ष पवन गुजर के नेतृत्व एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजीव गुजराती की विशेष उपस्थिति में कांग्रेस ने शुक्रवार को जोरदार प्रदर्शन किया। सरकार के विरूद्ध गगनभेदी नारे लगाये गये एवं सरकार का पुतला दहन किया गया। कांग्रेस कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि सरकार की अव्यवस्थित नीतियों के कारण किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजीव गुजराती ने कहा कि गेहूं खरीदी की प्रक्रिया में पारदर्शिता और समयबद्धता की कमी है। बार-बार तारीख बढ़ाने से किसानों को मंडियों में लंबे समय तक इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे उनकी लागत और परेशानी दोनों बढ़ रही हैं। वहीं अधिकतर किसानों के यहां विवाह कार्यक्रम होने जा रहे हैं और सरकार है कि समय पर गेहूं नही खरीद रही, ऐसी स्थिति में किसान अपने बच्चों का विवाह का खर्चा कहां उठायेगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत केसला में जल संरक्षण का संदेशः दीवार लेखन के जरिए जागरुकता

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देश अनुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद नर्मदा पुरम द्वारा जिले में विभिन्न गतिविधियाँ चलाई जा रही हैं। केसला में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों द्वारा दीवार लेखन के माध्यम से जल संरक्षण और संवर्धन के प्रति जागरूकता फैलाई जा रही है। तथा ग्रामीणों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

सामाजिक संगठनों एवं ओबीसी महासभा की संयुक्त बैठक सम्पन्न

11 अप्रैल को उत्साह के साथ मनाई जावेगी महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती

सीहोर (निप्र)। सभी सामाजिक संगठनों एवं ओबीसी महासभा के संयुक्त तत्वाधान में वसुंधरा गार्डन सीहोर में ओबीसी महासभा जिलाध्यक्ष श्याम मीणा एवं अपाक्स जिलाध्यक्ष कमल कीर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिसमें निर्णय लिया गया कि सभी संगठनों द्वारा 11 अप्रैल 2026 को संयुक्त रूप से महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती की जयंती भव्यता के साथ मनाई जावेगी। ज्योतिबा फुले के जन्मोत्सव पर चल समारोह निकालकर एवं सभा आयोजित कर महात्मा ज्योतिबा फुले द्वारा समाहित में किये गये उत्कृष्ठ कार्यों एवं समाज के प्रति उनके संदेशों का प्रचार-प्रसार किया जावेगा व उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाया जावेगा। इस अवसर पर उपस्थित जनों में प्रमुख रूप से दिनेश पुष्पद, श्याम मीणा, कमल कीर, मुकेश कुशवाह, गुलाब सिंह बागवान, रामचन्दर माली, विष्णु प्रसाद कुशवाह, जनम सिंह परमार, कमल सिंह मालवीय, सत्यनारायण बैरावल वाले, ज्ञान सिंह गुणवान, कन्हैयालाल, दयाराम सागर सहित बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित रहे।

भगवान श्री परशुरामजी प्रकट्ोत्सव की तैयारी को लेकर हुई बैठक

18 को निकलेगी भव्य शोभायात्रा, 19 अप्रैल को होगी पूजन अर्चन

विप्र बंधुओं ने दिए अनेक आवश्यक सुझाव

नर्मदापुरम (निप्र)। भगवान श्री परशुराम प्रकटोत्सव समिति व सर्व ब्राह्मण समाज नर्मदापुरम के द्वारा पूर्व वर्षों की तरह इस वर्ष भी भगवान परशुराम का प्रकट्ोत्सव मनाए जाने के लिए समिति की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन शुक्रवार को सायं काल गीता मेरिज पैलेस आई टी आई रोड नर्मदापुरम में आयोजित की गई। जिसमें तय हुआ कि भगवान परशुराम का प्रकट्ोत्सव दो दिवसीय रहेगा। 18 अप्रैल को सायं काल में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी एवं 19 अप्रैल को भगवान परशुराम के प्रकट्ोत्सव पर पूजन अर्चन के कार्यक्रम होंगे। बैठक की अध्यक्षता पूर्व विधायक पं गिरजा शंकर शर्मा ने की। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम जी प्रकट्ोत्सव भक्ति भाव व धूमधाम से मनाया जाना चाहिए। इसमें सभी विप्र बंधुओं को तन मन धन से सहयोगी बनना चाहिए। एकता दिखनी चाहिए साथ ही शोभायात्रा भव्यता के साथ निकाली जाना चाहिए। युवाओं को विशेष योगदान रहना चाहिए। पूर्व विधायक सविता दीवान शर्मा ने कहा कि हम सब अनेक वर्षों से हमारे आराध्य भगवान परशुराम जी का प्रकट्ोत्सव मनाते आ रहे हैं। आयोजन में हर वर्ष भव्यता आती जा रही है। इस वर्ष और अधिक उत्साह से मनाएंगे। बैठक में अनेक विप्र बंधुओं ने अपने अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। ब्राम्हण समाज के हित को लेकर सर्व ब्राम्हण समाज एकजुट हो इस पर जोर दिया गया।बैठक में पूर्व प्राचार्य डॉ एलएल दुबे आचार्य नीरजेश त्रिपाठी आचार्य पं अविनाश मिश्रा, आचार्य पं अजय दुबे, अरूण दीक्षित, दिनेश तिवारी रामकुमार गुबरेले,विनोद दुवे रामगोपाल चौबे धर्मेन्द्र तिवारी केएन त्रिपाठी राजकुमार दुबे योगेश शर्मा रोहित दुवे सुखदेव भार्गव मनीष तिवारी अनुपम दुबे पुष्पेश पालीवाल युवराज तिवारी संजीव शर्मा भागचंद तिवारी प्रशांत शर्मा वरुण शर्मा अरुण शर्मा विनोद रावत, बलराम शर्मा, उदित द्विवेदी, प्रकाश शर्मा, पराग शर्मा उमाशंकर शर्मा दशरथ तिवारी भूपेश थापक आनंद थापक केशव दुबे राजेंद्र पुरोहित उमाशंकर पाठक महेश शर्मा कृष्ण देव तिवारी अजय पाठक अजय सहारिया, नारी शक्तियों में श्रीमती वंदना शर्मा, श्रीमती आरती शर्मा श्रीमती ममता शर्मा श्रीमती अर्चना पुरोहित श्रीमती निधि दीक्षित श्रीमती शिखा दीक्षित सुश्री प्रभुता व्यास बैठक में उपस्थित रही।बैठक के समापन पूर्व समिति के दिवंगत वरिष्ठ सदस्य स्व भालचंद्र खड्डुर स्व आरपी सीठा, स्व विनोद दीवान, स्व दुर्गा प्रसाद तिवारी स्व रमा तिवारी को मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक का संचालन पंडित दिनेश तिवारी एवं आभार प्रदर्शन पंडित मनीष तिवारी ने किया।

स्वच्छता सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पूरी क्षमता से जुटें निकाय : संकेत भोंडवे

ग्रीष्मकाल के दौरान सुचारू रहे निर्बाध जल आपूर्ति, सभी सीएमओ करें सुनिश्चित

नर्मदापुरम (निप्र)। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास संकेत भोंडवे ने नर्मदापुरम संभाग की समस्त निकायों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया कि निकायों में स्वच्छता सर्वेक्षण में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किए जाने के लिए तत्परता से कार्य किए जाएं। उन्होंने कहा की संभाग के समस्त निकायों के अंतर्गत क्षेत्र में स्वच्छता सर्वोपरि रखी जाए। आयुक्त श्री भोंडवे ने निर्देशित किया कि सभी निकाय अपनी पूरी क्षमता के साथ स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए जुटें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता कार्यों की नियमित रूप से समीक्षा की जाए साथ ही साथ सभी सीएमओ यह सुनिश्चित करें कि सिटीजन फीडबैक को भी प्राथमिकता के साथ दैनिक समीक्षा प्रक्रिया में अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि पूरा नगरीय विकास अमला गंभीरता से स्वच्छता सर्वेक्षण के साथ जुड़े और तत्परता से उच्च स्थान प्राप्त करने के लिए कार्य करें। आयुक्त श्री भोंडवे ने स्पष्ट किया कि स्वच्छता सर्वेक्षण केवल एक अभियान न होकर निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, इसलिए सभी निकायों में स्वच्छता की स्थायित्व बनाए रखना सुनिश्चित किया जाए। उक्त निर्देश शुक्रवार को आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मध्य प्रदेश शासन संकेत भोंडवे की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय नर्मदापुरम के सभा कक्ष में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान आयुक्त श्री भोंडवे ने सभा कक्ष में उपस्थित समस्त अधिकारियों को संबोधित करते हुए दिए।उन्होंने समस्त सीएमओ को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी अधिकारी पूरी मेहनत के साथ अपने अपने संबंधित निकाय की स्वच्छता को सर्वोपरि रखते हुए अपने कार्यों में अतिरिक्त प्रयास करते हुए प्रगति लाएं। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए नगर स्वच्छता, डोर टू डोर कचरा एकत्रीकरण, शहर के सौंदर्यीकरण, व्यवस्थित बाजार क्षेत्र, स्वच्छ पेयजल सहित अन्य निर्धारित मुख्य घटकों के अंतर्गत बेहतरीन कार्य किया जाए।समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने मध्य प्रदेश शहरी विकास कंपनी के उपस्थित अधिकारी को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि नर्मदापुरम जिले में सीवरलाइन परियोजना के तहत कार्य में गति लाई जाए। उन्होंने कहा कि कार्य को शीघ्र पूरा करने के लिए श्रमिकों तथा मशीनरी की संख्या को बढ़ाया जाए।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र.-1, नर्मदापुरम (म.प्र.)

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

निविदा सूचना क्र0 15/2026/e-Tender/N.Puram **दि0 25/03/2026**

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण बेवसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है:-

स0 क्रं0	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानती राशि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2026_PWDRB_494454	नर्मदापुरम	भवन कार्य	सरस्वती शिशु मंदिर,डोलरिया में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य।	प्रथम	8.47	16940/-
				योग (रू0 लाख में)		**8.47**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेन्ट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 08/04/2026 सायं 17:30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन0आई0टी0 एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। **मूल एफ0डी0आर0 एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाईन ही प्राप्त** किए जावेंगे।

जी/11086/26

कार्यपालन यंत्री,
लो0नि0वि0 संभाग नर्मदापुरम

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com